संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 50 शनिवार 21 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

अमित शाह पागल हो चुके हैं

अंबेडकर मामले में गृह मंत्री पर भड़के लालू यादव,मांगा इस्तीफा

पटना,20 दिसम्बर 2024(ए)। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर सियासी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. विपक्ष इस मामले में गृहमंत्री का इस्तीफा मांग रहा है। इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने अमित शाह पर तीखी टिप्पणी की है. लालू यादव ने कहा कि अमित शाह को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर से नफरत है. उन्होंने आरोप लगाया कि गृहमंत्री पागल हो चुके हैं और उन्हें राजनीति छोड़ देनी चाहिए।लालू यादव ने कहा,बाबा साहेब महान हैं,भगवान हैं।अमित शाह को तुरंत इस्तीफा देकर राजनीति छोड़ देनी चाहिए।

अडानी ग्रूप के खिलाफ मामला दर्ज करने वाले अमेरिकी अटॉर्नी ब्रियॉन पद से देंगे इस्तीफा

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024(ए)। ब्रियॉन पीस, जो वर्तमान में ब्रुकलिन के अमेरिकी अटॉर्नी हैं, ने 10 जनवरी को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा नियुक्त, पीस ने अपने कार्यकाल के दौरान कई हाई-प्रोफाइल मामलों की सफलतापूर्वक पैरवी की। उनकी जगह अब फर्स्ट असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी, कैरोलीन पोकॉर्नी लेंगी, जैसा कि एक बयान में बताया गया है। पीस ने अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण आपराधिक और वित्तीय मामलों की जांच की और अभियुक्तों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की।

सीएम नीतीश कुमार की तबीयत बिगड़ी

पटना,20 दिसम्बर 2024(ए)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आज तबीयत खराब हो गई है। आज शुक्रवार (20 दिसंबर) को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजगीर में भी एक प्रोग्राम में जाने वाले थे। पटना में भी आज बिजनेस कनेक्ट में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले थे ,लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण जितने भी कार्यक्रम थे सभी कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है।

पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला का निधन

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024(ए)। हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। 89 साल की उम्र में उन्होंने गुरुग्राम में अपने निवास पर अंतिम सांस ली. वह इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के चीफ थे।
ओमप्रकाश को विरासत में मिली सियासत हरियाणा और देश की सियासत में चौधरी देवीलाल ताऊ मशहूर रहे। वह देश के डिप्टी पीएम भी रहे. देवीलाल की 5 संतानों में चार बेटों में ओमप्रकाश चौटाला भी एक थे। उनके बाकी बेटों का नाम प्रताप चौटाला, रणजीत सिंह और जगदीश चौटाला है। जब देवीलाल डिप्टी पीएम बने तो बड़े बेटे ओमप्रकाश चौटाला ने राजनीतिक विरासत संभाली और हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। ओमप्रकाश 1989 से 1991 तक मुख्यमंत्री रहे। 1991 में लोकसभा चुनाव हारे और यहीं से उनकी राजनीतिक यात्रा समाप्त हो गई. 1999 में ओमप्रकाश चौटाला ने बीजेपी की मदद से हरियाणा में सरकार बनाई. 2005 तक वे हरियाणा के सीएम बने।

क्रूरता मामले में पाकिस्तान से भी आगे बांग्लादेश

» हिंदुओं पर हमले के 2200 मामले

» विदेश मंत्रालय ने खोली यूनुस सरकार की पोल

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024(ए)। बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार ने शुक्रवार को राज्य सभा को बताया कि बांग्लादेश में इस साल आठ दिसंबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 2,200 मामले सामने आए हैं।
विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने मानवाधिकार संगठनों के आंकड़ों का हवाला देते हुए राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि पाकिस्तान में इस साल अक्टूबर तक हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 112 मामले सामने आए। पिछले साल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 302 घटनाएं सामने आई थीं, वहीं पाकिस्तान में वर्ष 2023 में इस तरह की 103 घटनाएं हुई थीं।

विरोध प्रदर्शनों के बाद बिगड़े हालात

गौरतलब है कि बांग्लादेश में अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए थे। हसीना के भारत में शरण लेने के कुछ दिनों बाद ही नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस सत्ता में आए। वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में नेतृत्व करते हैं। हिंदुओं पर हमलों और हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर हाल के हफ्तों में दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए।

अन्य देशों में नहीं आए हिंसा के मामले सामने

मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर अन्य पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्री ने कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान से धार्मिक असहिष्णुता, सांप्रदायिक हिंसा, अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने और उनकी सुरक्षा, सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को उजागर करता रहता है। सरकार ने बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया है। भारत को उम्मीद है कि ढाका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। नौ दिसंबर, 2024 को विदेश सचिव की बांग्लादेश यात्रा के दौरान भी यही बात दोहराई गई थी। विदेश राज्य मंत्री ने कहा, ढाका में भारतीय उच्चायोग बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों से संबंधित स्थिति पर नजर रख रहा है। अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार की है।

बांग्लादेश

2024 में आठ दिसंबर तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं-2,200।
2023 में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं- 302 2022 में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं- 47

पाकिस्तान

2024 अक्टूबर तक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं- 112
2023 में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं- 1032022 में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं- 241

नारेबाजी के बीच लोकसभा अनिश्चितकाल तक स्थगित

» ओम बिरला ने विपक्ष को दी सलाह

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024 (ए)। संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को अंतिम दिन, लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान विपक्ष के नारेबाजी के कारण सदन का संचालन बाधित हुआ। राज्यसभा की कार्यवाही भी 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। अंबेडकर विवाद को लेकर विपक्ष ने संसद के बाहर विजय चौक से संसद भवन तक मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में प्रियंका गांधी शामिल हुईं, लेकिन राहुल गांधी नजर नहीं आए।

राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज,धक्का-मुक्की का आरोप

19 दिसंबर को मकर गेट पर पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की गई थी। इस घटना में ओडिशा के बालासोर से सांसद प्रताप सारंगी और फर्रुखाबाद से भाजपा सांसद मुकेश राजपूत घायल हो गए थे। दोनों नेताओं को सिर में चोट लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।
भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की कोशिश, धमकाने और धक्का देने समेत सात धाराओं में शिकायत दी थी। हालांकि, पुलिस ने जांच के बाद हत्या की कोशिश की धारा (109) को हटाकर छह धाराओं में मामला दर्ज किया।

लोकसभा में हंगामा और अध्यक्ष की चेतावनी

जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी की। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की और कार्यवाही अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दी। उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के तहत सदन में चर्चा और बहस को प्राथमिकता दें।

भाजपा ने की राहुल गांधी के निलंबन की मांग

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल ने गृह मंत्री अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और सदन की मर्यादा का उल्लंघन किया। दुबे ने मांग की है कि मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाए और समिति के निर्णय तक राहुल गांधी को लोकसभा से निलंबित कर दिया जाए।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी

सत्र के अंतिम दिन भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ हमलावर है, जबकि कांग्रेस ने भी भाजपा सांसदों पर धक्का देने का आरोप लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट से लोगों को बड़ी राहत

डीएनडी फ्लाईवे को टोल फ्री ही रखने के निर्देश

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024 (ए)। दिल्ली को नोएडा को जोडने़ वाले डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूली बंद रहेगी । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को टोल वसूली शुरू करने के लिए नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ की गई अपील को खारिज कर दिया गया है।जस्टित सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि फ्लाईवे पर टोल वसूली बंद करने का हाई कोर्ट का आदेश सही था और इस पर आगे भी टोल वसूली बंद रखी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, टोल वसूली जारी रखने की कोई वजह नहीं है। हम टोल वसूलने के समझौते को अवैध मानते हैं और याचिका खारिज करते हैं। कोर्ट ने एनटीबीसीएल को टोल वसूली की जिम्मेदारी सौंपने के लिए नोएडा प्राधिकरण की खिंचाई की और कहा कि इससे कंपनी को अन्यायपूर्ण लाभ हुआ है। कोर्ट ने कहा, प्राधिकरण ने एनटीबीसीएल को काम सौंपकर अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है। इससे आम जनता को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

मोहन भागवत ने बढ़ते मंदिर-मस्जिद विवादों पर जताई चिंता

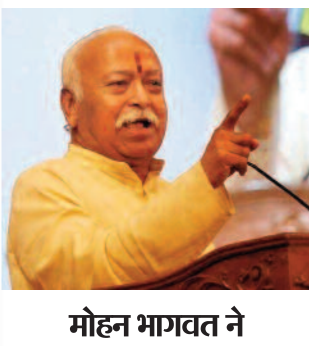

मोहन भागवत ने सौहार्द की अपील की

पुणे,20 दिसम्बर 2024(ए)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को भारत में मंदिर-मस्जिद विवादों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई और इसे सामाजिक सद्भावना के लिए हानिकारक बताया। भारत को वैश्विक गुरु (भारत-विश्वगुरु) पर एक व्याख्यान श्रृंखला के दौरान उन्होंने एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से व्यक्तिगत लाभ के लिए विवादों को उठाने से बचने की अपील की।भागवत के संबोधन के प्रमुख बिंदु नए विवादों पर चिंता भागवत ने धार्मिक स्थलों को लेकर उभरते नए विवादों पर चिंता जताई और कहा, हर दिन एक नया मुद्दा उठाना स्वीकार्य नहीं है। यह रुकना चाहिए। राम मंदिर के बाद कुछ लोग सोचते हैं कि वे हिंदुओं के नेता बन सकते हैं यदि इसी तरह के विवादों को उठाया जाए। यह अस्वीकार्य है।

समाज में समावेशिता की अपील

भागवत ने एक ऐसे समाज की आवश्यकता पर बल दिया, जहाँ भिन्नताओं का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा, हमें अपनी आस्थाओं का उतना ही सम्मान करना चाहिए जितना दूसरों की आस्थाओं का करते हैं। सद्भावना भारत के लिए आवश्यक है ताकि हम दुनिया के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने रामकृष्ण मिशन द्वारा क्रिसमस के उत्सव का उदाहरण देते हुए समावेशिता की बात की।

सीएनजी टैंकर में ट्रक की टक्कर के बाद विस्फोट,8 लोगों की मौत

जयपुर,20 दिसम्बर 2024(ए)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां अजमेर रोड पर पेट्रोल पंप के बाहर खड़ी सीएनजी टैंकर में एक ट्रक टकरा गया। इससे टैंकर में विस्फोट हो गया। विस्फोट में कई गाड़ियां चपेट में आई हैं, जिसमें अभी तक 8 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है।मौके पर पुलिस बल और अग्निशमन बल के कर्मचारी तैनात हैं और रोड बंद कर दिया गया है। दमकल की 30 गाड़ियों ने आग बुझाई है।

देश के पहले सीडीएस की कैसे हुई थी मौत ?

दुनिया को हादसे का सच पता चला

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024(ए)। देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की मृत्यु की वजह मानवीय चूक बताई गई है। उनकी मृत्यु के मामले में जांच के लिए गठित एक संसदीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में आठ दिसंबर 2021 को हुई एमआई-17 वी 5 हेलीकॉप्टर दुर्घटना के पीछे मानवीय चूक होना बताया है। जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और कई अन्य सशस्त्र बल कर्मियों की मृत्यु उस समय हो गई थी, जब उनका सैन्य हेलिकॉप्टर तमिलनाडु में कुन्नूर के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। संसद में मंगलवार को पेश की गई रिपोर्ट में रक्षा संबंधी स्थायी समिति ने 13वीं रक्षा योजना अवधि के दौरान हुई भारतीय वायुसेना के विमानों की दुर्घटनाओं की संख्या पर आंकड़े बताए. कुल 34 दुर्घटनाएं हुईं थीं, जिनमें 2021-22 में भारतीय वायुसेना के नौ विमानों के साथ दुर्घटनाएं हुईं और 2018-19 में 11 विमान दुर्घटनाएं शामिल हैं। रिपोर्ट में कारण शीर्षक से एक कॉलम है जिसमें दुर्घटना की वजह मानवीय चूक को बताया गया है। उनकी यात्रा एक दुखद हादसे में तब्दील हो गई। हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद, हेलिकॉप्टर पहाडयों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुखद घटना में जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य कर्मियों की तुरंत मृत्यु हो गई थी. इस दुर्घटना के बाद, शौर्य चक्र पुरस्कार विजेता ग्रूप कैप्टन वरुण सिंह अकेले जीवित बचे. उन्हें गंभीर चोटें आई थीं और उन्हें तुरंत अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. लेकिन दुर्भाग्य से एक सप्ताह के भीतर इलाज के दौरान उनका भी निधन हो गया।

जंगल में मिला खजाना

गाड़ी से 15 करोड़ कैश और 55 किलो सोना बरामद,मच गया हड़कंप

भोपाल,20 दिसम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश के भोपाल में दो दिन से चल रही इनकम टैक्स रेड के बीच एक बड़ी बरामदगी हुई है। भोपाल के एक जंगल में लावारिस हालत में खड़ी गाड़ी में 15 करोड़ कैश और 55 किलो सोना बरामद किया गया है। यह पता लगाया जा रहा है कि कैश और सोने की इतनी बड़ी खेप रखने वाला 'कुबेर' है कौन। बताया जा रहा है कि देर रात भोपाल से सटे मंडोरा गांव के पास जंगल में एक लावारिस इनोवा गाड़ी की सूचना मिली थी। रात करीब दो बचे जब पुलिस और आईटी विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो कार में दो बैग मिले। तलाशी लेने पर दोनों बैग में सोना और कैश भरा मिला। बताया जा रहा है कि सोने का वजन करीब 55 किलो है। इनकम टैक्स विभाग ने सोने को बरामद कर लिया है। गाड़ी ग्वालियर के किसी व्यक्ति के नाम रजिस्टर बताया जा रहा है। पुलिस गाड़ी मालिक का पता लगाने में जुटी है। माना जा रहा है कि रेड से बचाने के लिए सोने को जंगल में छोड़ दिया गया था। सोना अवैध धन से अर्जित बताया जा रहा है। भोपाल में यह बरामदगी ऐसे समय पर हुई है जब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की अलग-अलग टीमों ने दो दिनों तक भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में छापेमारी की है। मध्यप्रदेश के एक पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह के नजदीकी माने जाने वाले प्रमुख कारोबारी और उसके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान दो करोड़ रुपए नगद, जमीनों की खरीदी में व्यापक पैमाने पर निवेश, बैंक लॉकर्स और अनेक दस्तावेज मिले थे। उधर, मध्य प्रदेश की लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के घर छापा मारकर 2.85 करोड़ रुपए की नकदी समेत 3 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध संपत्ति बरामद की। छापा पूर्व आरटीओ कांस्टेबल सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित आवास पर मारा गया जो पॉश अरेरा कॉलोनी में है। एक होटल पर भी छापेमारी हुई।

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान भगदड़,मचा हड़कंप

मेरठ,20 दिसम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें कई महिलाओं के घायल होने की खबर है। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है. बताया जा रहा है कि ये हादसा कथा पांडाल के एंट्री गेट पर हुआ है। जानकारी के मुताबिक, भीड़ ज्यादा होने की वजह से हंगामा मच गया और जिसके बाद महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं। बताया जा रहा है कि एंट्री गेट पर अव्यवस्था की वजह से ऐसे हालात बने ये भी बताया जा रहा है कि स्थानीय पुलिस फोर्स पहले से तैनात थी, लेकिन कई थानों की पुलिस टीम को बुलाया गया है। हालांकि इस हंगामे में कितने लोग घायल हैं, इसकी कोई जानकारी अबतक नहीं आई है. जो भी लोग इसमें घायल हुए हैं, उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

संपादकीय

ऊंची महंगाई वास्तविक आय को प्रभावित कर रही

बैलेंस सीट को सुधारना अच्छी बात है। लेकिन मुनाफे और श्रमिकों की आय के बीच संतुलन भी बने रहना चाहिए। यह नहीं रहा, तो अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं बचेगी और कॉपोरेट उत्पादों की खरीद नहीं होगी।'सरकार के कर्ता-धर्ताओं को अहसास होने लगा है कि भारत की ग्रोथ स्टोरी' कहीं अटक गई है। वजह आबादी के बहुत बड़े वर्ग की उपभोग क्षमता में गिरावट है।नतीजतन मांग गिर गई है और उसका असर अब कॉरपोरेट सेक्टर पर भी पड़ रहा है। यह स्थिति बनी रही, तो जीडीपी की तीव्र वृद्धि दर के दावे को कायम रखना कठिन हो जाएगा।वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन की ताजा चिंता का यही संदर्भ है। पिछले हफ्ते एसोचैम के एक आयोजन में उन्होंने कॉरपोरेट मुनाफे और श्रमिकों की आमदनी के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।कहा कि कॉरपोरेट का मुनाफा 15 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। लेकिन इससे हुई आमदनी के ज्यादातर हिस्से का इस्तेमाल कंपनियों ने ऋण चुकाने में किया है। लेकिन कॉरपोरेट मुनाफे की तुलना में कर्मचारियों की तनख्वाह नहीं बढ़ी है।नागेश्वरन ने कहा-बैलेंस सीट को बेहतर करना अच्छी बात है। लेकिन कॉरपोरेट मुनाफे और श्रमिकों की आय वृद्धि के बीच संतुलन बने रहना चाहिए। यह अनुपात कायम नहीं रहा, तो अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं बचेगी और कॉपोरेट उत्पादों की खरीद नहीं होगी।' यह वो बात है, जिस पर अनेक विशेषज्ञ पहले से रोशनी डालते रहे हैं।पिछले कुछ समय से कंपनी अधिकारी और मार्केट एजेंसियां भी इस बात को दो-टूक से कहने लगी हैं कि देश में मध्य वर्ग ढह रहा है।इससे संबंधित ताजा रिपोर्ट मार्केट एजेंसी- कैंटार की आई है। शीर्षक गौरतलब है- इंडिया ऐट क्रॉसरोड्स (चौराहे पर भारत)।कैंटार साउथ एशिया के महानिदेशक सौम्य महंती ने कहा- कोरोना के बाद अर्थव्यवस्था में हुआ सुधार व्यावहारिक रूप में के' आकार का रहा है, जिसमें मध्य वर्ग पिस गया है।2024 में बड़े दायरे में लोग ने महसूस किया कि वे पहले की तुलना में गरीब हो गए हैं। इसका परिणाम उपभोक्ता विश्वास के गतिरुद्ध होने के रूप में सामने आया है।'कैंटार के मुताबिक अगले वर्ष भी मांग मद्धम ही रहेगी, क्योंकि ऊंची महंगाई वास्तविक आय को प्रभावित कर रही है। अच्छी बात है कि अब सरकारी अधिकारी भी इसे मान रहे हैं। लेकिन क्या उनके पास कोई समाधान भी है?

हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

हरयान या हरियान शब्दों से नहीं,अहिराणा शब्द से हुई है हरियाणा की व्युत्पत्ति : डॉ. रामनिवास मानव

हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति के संबंध में विविध थ्योरियाँ हैं। हरियाणा एक प्राचीन नाम है। वैदिक युग में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यवर्त और ब्रह्मोपदेश के नाम से जाना जाता था। ये सभी नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्मा के उपदेशों पर आधारित हैं और इनका सामान्य अर्थ है-आर्यों का आवास और वैदिक संस्कृति और संस्कारों के उपदेशों का क्षेत्र। कई विद्वान, सीधे ऋग्वेद से इसका संबंध जोड़ते हुए, कहते हैं कि हरियाणा शब्द का तब राजा के विशेषण के रूप में प्रयोग किया जाता था। उनकी मान्यता है कि राजा वासु ने इस क्षेत्र पर लंबे समय तक शासन किया और इसी कारण, इस क्षेत्र को उनके बाद, हरियाणा के नाम से जाना जाने लगा। मगर देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव का कहना है कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और प्रामाणिक है। आइये, इस संबंध में विस्तार से जानते हैं उनके तर्क और विचार।

हरियाणा वैदिक कालीन शब्द है। इसका सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है-ऋजुभुक्षस्याने रजतं हरियाणे। रथं युक्तं असनाम सुषामणि। यहाँ प्रयुक्त हरियाणे शब्द के कष्टों को सहने वाला, हरणशील, हरि का यान आदि अनेक अर्थ हो सकते हैं, किंतु इससे प्रदेश-विशेष के नाम का स्पष्ट बोध नहीं होता। यह कहना है, सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव का। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति मुख्यतः हरयान अथवा हरि यान शब्द से मानी जाती है। इसीलिए इसे अंग्रेज़ी में हरयाणा तथा हिंदी में हरियाणा लिखा जाता है। किंतु मेरे मतानुसार यह थ्योरी गलत है। हर (शिव) और हरि (विष्णु) के इस क्षेत्र में यान द्वारा विचरण करने का सटीक उल्लेख नहीं मिलता। फिर यान के विचरण करने से किसी क्षेत्र` के नामकरण की बात भी गले नहीं उतरती। हरियाणा के नामकरण संबंधी अन्य मतों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि हरियानक, हरितारण्यक, हरिताणक, आर्यायन, दक्षिणायन, उक्षणायन, हरिधान्यक, हरिबांका आदि शब्दों से हरियाणा की व्युत्पत्ति संबंधी अन्य थ्योरियाँ भी अविश्वसनीय, बल्कि कुछ तो हास्यास्पद लगती हैं। डॉ. बुद्धप्रकाश और प्राणनाथ चोपड़ा ने हरियाणा की व्युत्पत्ति अभिरायण शब्द से मानी है, किंतु इसे भी आंशिक रूप से ही सही माना जा सकता है।

डॉ. मानव ने कहा कि मेरी सुचिंतित और सुनिश्चित मान्यता है कि हरियाणा की व्युत्पत्ति अहिराणा शब्द से हुई है। पशुपालन और कृषि का व्यवसाय करने वाले यदुवंशियों को अभिर या आभीर कहा जाता था, कालांतर में, जिसका तद्भव रूप अहीर हो गया। अहीर बहादुर योद्धा माने जाते थे, जिनके अस्तित्व के प्रमाण ईसा से छह हजार वर्ष पूर्व भी मिलते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि किसी समय अहीर जाति हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से लेकर गुजरात और महाराष्ट्र तक फैली हुई थी। किंतु वर्तमान हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उसका पूरा आधिपत्य और संपूर्ण वर्चस्व रहा। अहीरों का बाहुल्य होने के कारण ही इस क्षेत्र को अहिराणा कहा जाने लगा। (जैसे राजपूतों के कारण राजपुताना, मराठों के कारण मराठवाड़ा और भीलों के कारण भीलवाड़ा कहा जाता है। बादे में, हरियाणवी बोली की उदासीन अक्षरों के लोप की प्रकृति के चलते, अखाड़ा- खाड़ा, अहीर- हीर, उतारणा- तारणा, उठाणा-ठाणा और स्थाण-ठाण की तर्ज पर, अहिराणा से हिराणा और फिर हरयाणा या हरियाणा हो गया। अहिराणा शब्द का अर्थ है-अहीरों का क्षेत्र। इसे अहीरवाल का पर्यायवाची माना जा सकता है। एक अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य का उल्लेख करते हुए डॉ. मानव ने कहा कि इससे भी मेरे मत की पुष्टि होती है। आज भी महाराष्ट्र के खानदेश, जिसे कभी हीरदेश भी कहा जाता था और जिसमें महाराष्ट्र के मालेगांव, नंदुरबार और धुले जिलों के अतिरिक्त नासिक जिले के धरनी, कलवण, सटाणा और बागलान तथा औरंगाबाद जिले के देवला क्षेत्र, गुजरात के सूरत और व्यारा तथा मध्यप्रदेश के अंबा और वरला क्षेत्र शामिल हैं, जहाँ आज भी अहिराणी बोली, बोली जाती है। देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली और बीस-बाईस लाख लोगों द्वारा बोली जाने वाली अहिराणी का अर्थ है अहीरों की बोली। इससे स्पष्ट है कि अहिराणा और अहिराणी में सीधा संबंध और पूरी समानता है।

अंत में, निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए, डॉ. मानव ने कहा कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और प्रामाणिक है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अडानी पर आरोप डीप स्टेट की साजिश का प्रोपेगेंडा

भारत पूंजीवाद का नया इतिहास रच रहा है! भारत मानों गौतम अडानी का गिरवी हो गया है! यदि अडानी ग्रूप का कोई भी भंडा फूटे तो वह दुश्मन के डीप स्टेट' की साजिश है! उसकी बात करना, उस पर संसद में बहस चाहना विपक्ष का देशद्रोह है। भारत को अस्थिर बनाना है। सीधे प्रधानमंत्री पर हमला है! सत्ता और सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ साजिश है!दुनिया की नंबर एक महाशक्ति अमेरिका के डीप स्टेट' का भारत पर हमला है! इसलिए हम अमेरिका को एक्सपोज करेंगे। अमेरिका से लड़ेंगे।विपक्ष की बोलती बंद करेंगे। विपक्ष, नेता विपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी और उस नेहरू-गांधी परिवार को देशद्रोही करार देंगे, जिसने देश को पचास साल चलाया।यह परिवार अमेरिका, उसकी संस्थाओं, उसकी डीप स्टेट' का पिट्ठू है। ये भारत के जगत सेठ गौतम अडानी के खिलाफ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि इसने अमेरिका और दुनिया के खरबपति पूंजीपतियों को पछाड़ा है।वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व-कृतित्व की उस इकलौती उपलब्धि, 140 करोड़ भारतवासियों की आन-बान-शान के विरोधी हैं, जबकि वह सवा सौ करोड़ भूखों के फ्री लंगर की शान है।देश-दुनिया में मोदीजी की आन है, जिससे भारत सोने की चिड़िया बना है। दुनिया में, पूंजीवाद के इतिहास का ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जो अडानी का है। इतिहास में नए पुराने जितने खरबपति-अरबपति हुए हैं उनमें आज तक ऐसा एक भी पूंजीपति नहीं हुआ है जिस पर गोलमाल के आरोप लगे और वह राष्ट्र का गौरव बने !उसकी रक्षा के लिए राष्ट्र, सरकार, संसद सब कुरबान हो तथा विपक्ष या विरोधी भ्रष्टाचार का शोर करें तो ससंद में बहस न हो। उलटे विपक्ष को विदेश का पिट्ठू करार दिया जाए।मीडिया खबरें न छापे। और अडानी के लिए सरकार, उसके चेहरे सब वैसी ही जनसंपर्क, लॉबी की भूमिका में हों जैसे कभी धीरूभाई अंबानी के लिए दिल्ली में बालू और टोनी किया करते थे।अंबानी पर भी कई बार बवाल हुए। लेकिन मुझे ध्यान नहीं है कि इंदिरा गांधी, प्रणब मुखर्जी या किसी भी सरकार ने धीरूभाई अंबानी को भारत की आन-बान-शान करार दे कर उनके खिलाफ अमेरिका की डीप स्टेट' या सीआईए की साजिश बताई हो।या संसद में बहस नहीं होने दी हो। या वाणिज्य, वित्त आदि की किसी भी भूमिका में प्रणब मुखर्जी ने रिलायंस का बचाव किया हो।इसलिए समकालीन इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने अडानी के लिए देश के विपक्ष, राहुल गांधी-सोनिया गांधी, अमेरिका, डीप स्टेट' आदि पर हमले का जो कर्म किया है वह न केवल पूंजीवाद और आजाद भारत के इतिहास की अनहोनी है, बल्कि यह सवाल भी बनाते हुए है कि अडानी पर हल्ला क्या मोदी सरकार की अस्थिरता है?ऐसा कैसे है कि गली-गली में शोर अडानी का है और घबराई हुई सरकार है! इतना ही नहीं भाजपा और उसके प्रवक्ता सब अडानी के कारतूस बने हुए हैं!यदि अमेरिकी डीप स्टेट', अस्थिरता की साजिश, राहुल-सोनिया देशद्रोही, वित्तीय गोलमाल जैसी बातें हैं तो इसके लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस विदेश मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैसों को करनी चाहिए या नहीं? अडानी ग्रूप न भाजपा सदस्य है और न आरएसएस का स्वंयसेवक है।और यदि वह चंदा या गुरू दक्षिणा देता भी हो तब भी वैश्विक बदनामी (याद करें और उन रिपोर्टों को पढ़ें, जिनमें अडानी के ठेके को रद्द करते हुए केन्या की संसद ने कैसी तालियां बजाई तथा लोगों ने भारतीयों पर कैसी टिप्पणियां कीं) की हकीकत में संघ परिवार उसके लिए क्योंकर लाठी ले कर खड़ा होगा? चाल, चेहरे, चरित्र का कोई लोकलाज नहीं? सोचें, अडानी, हिंडनबर्ग रिपोर्ट, हेज फंड मैनेजर 92 वर्षीय सोरोस की तुकबंदी से भाजपा कह रही है कि सबके पीछे उद्देश्य मोदी सरकार को अस्थिर करना है। कांग्रेस नेतृत्व (राहुल गांधी, सोनिया गांधी) देश और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस के पेरोल पर हैं। भारत के खिलाफ गतिविधियों में अमेरिका के डीप स्टेट का हाथ है।ऐसी कथित भयावह साजिश के बावजूद सरकार से अधिकृत या विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का एक शब्द नहीं बोलना। अडानी पर आरोप और सीधे अमेरिका की डीप स्टेट' की साजिश का प्रोपेगंडा! जबकि हाल में अमेरिकी अदालत ने खालिस्तानी पन्नू की हत्या की साजिश में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, पूर्व रॉ चीफ, रॉ एजेंट व एक कारोबारी को समन जारी किया मगर तब तो सरकार और भाजपा ने एक शब्द इनके बचाव में नहीं बोला।तब अमेरिकी डीप साजिश' का हल्ला नहीं था। लेकिन अडानी की ऐसी चिंता जो संसद का पूरा सत्र इसलिए कुरबान क्योंकि राहुल गांधी ने अडानी पर लगे आरोपों पर बहस चाही! अमेरिकी अदालत से अडानी ग्रुप को समन है तो भारत के सुरक्षा प्रमुख अजित डोवाल पर भी अमेरिकी अदालत की कारवाई है। एक का कारोबारी-सिविल मामला है तो दूसरा हत्या की साजिश का फौजदारी मुकद्दमा।सोचें, भारत राष्ट्र-राज्य की आन-बान-शान के लिए कारोबारी-सिविल-भ्रष्टाचार का आरोप अधिक चिंता वाला होना चाहिए या फौजदारी का? प्रधानमंत्री मोदी, सत्तारूढ़ पार्टी को अजित डोवाल एंड पार्टी की रक्षा में संसद में या बाहर यह हल्ला क्या नहीं करना चाहिए था कि अमेरिका की डीप स्टेट' भारत के खुफिया प्रमुखों को कटघरे में खड़ा कर भारत को अस्थिर कर रही है? लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत अडानी की बदनाम गौरव गाथा पर कुरबान है न कि भारत की सुरक्षा के रणबांकुरों (डोवाल एंड पार्टी) का अहसानमंद! इस अंतर से क्या साबित होता है?तभी सोचें, प्रधानमंत्री मोदी के लिए उपयोगी कौन अधिक रहा

जनसंख्या गिरावट पर मोहन भागवत की चिंता

संघ प्रमुख ने जिस आशंका को प्रकट किया हैं, उससे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय जनप्रतिनिधियों का एक समूह परिचित तो है, लेकिन अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के कारण उसे जनविमर्श का हिस्सा बनाने से न सिर्फ बचता है, बल्कि उसे नया रंग देने का प्रयास भी करता है। आरोप-प्रत्यारोपों को दरकिनार कर क्या हमें हकीकत को नहीं देखना चाहिए? क्या यह सच नहीं कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में हिंदुओं की जनसंख्या, मुस्लिमों के अनुपात में लगातार घट रही है?बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट पर अपनी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त हो जाता हैज् इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए ज्जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है।जैसे ही उनका विचार मीडिया की सुर्खियों में आया, वैसे ही स्वयंभू सेकुलरवादी और वामपंथी तिलमिला उठे। संघ प्रमुख ने जिस आशंका को प्रकट किया हैं, उससे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय जनप्रतिनिधियों का एक समूह परिचित तो है, लेकिन अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के कारण उसे जनविमर्श का हिस्सा बनाने से न सिर्फ बचता है, बल्कि उसे नया रंग देने का प्रयास भी करता है।आरोप-प्रत्यारोपों को दरकिनार कर क्या हमें हकीकत को नहीं देखना चाहिए? क्या यह सच नहीं कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में हिंदुओं की जनसंख्या, मुस्लिमों के अनुपात में लगातार घट रही है? क्या मजहब का भारत की एकता-अखंडता और इस राष्ट्र के शाश्वत मूल्यों–बहुलतावाद, लोकतंत्र और सेकुलरवाद के साथ सीधा संबंध है या नहीं? देश में जहां-जहां आज हिंदू अल्पसंख्यक है, उनमें से अधिकतर क्षेत्र क्या अलगाववाद से ग्रस्त नहीं? संघ प्रमुख के विचार पर त्वरित कोई राय बनाने से पहले क्या इन सवालों के जवाब ईमानदारी से खोजने चाहिए।क्या यह सत्य नहीं कि ब्रिटिशकालीन भारत, जनसांख्यिकीय में आए परिवर्तन के कारण ही विभाजित हुआ था? इस त्रासदी में जिन दो मुल्कों–पाकिस्तान और बांग्लादेश का जन्म हुआ, वह घोषित रूप से इस्लामी है। अपने वैचारिक अधिष्ठान के अनुरूप इन दोनों ही देशों में हिंदू, बौद्ध और सिख आदि अल्पसंख्यकों के लिए न तो कोई स्थान है और न ही उनके मानबिंदु (मंदिर-गुरुद्वारा सहित) सुरक्षित। विडंबना है कि सिंधु नदी, जिसके तट पर हजारों वर्ष पूर्व ऋषि परंपरा से वेदों की रचना हुई– उस क्षेत्र में आज उनका नाम लेने का कोई नहीं बचा है। भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक असुरक्षित' कौन है? विश्व के इस भूखंड में कुल मिलाकर 180 करोड़ लोग बसते है, जिसमें भारत 140 करोड़, पाकिस्तान 23 करोड़ और बांग्लादेश की आबादी 17 करोड़ है। 180 करोड़ में 112 करोड़ हिंदू है, जबकि मुस्लिम 62 करोड़ से अधिक मुस्लिम। विभाजन से पूर्व, इस भू-भाग की कुल आबादी में हिंदू-सिख-बौद्ध-जैन अनुयायियों का अनुपात 75 प्रतिशत, तो मुस्लिम अनुपात 24 प्रतिशत था। स्वाधीनता से लेकर आज तीनों देशों में हिंदू-सिख-बौद्ध-जैन घटकर 62 प्रतिशत रह गए है, जबकि मुस्लिम बढ़कर 34 प्रतिशत हो गए। आज हिंदुओं-सिखों-बौद्ध-जैन की जो वास्तविक संख्या 135 करोड़ या उससे अधिक होनी चाहिए थी, वह घटकर 112 करोड़ रह गई है। यक्ष प्रश्न है कि इस भूखंड से पिछले सात दशकों में 23 करोड़ हिंदू-सिख-बौद्ध-जैन कहां गायब हो गए?बात यदि खंडित भारत की करें, तो अरुणाचल प्रदेश में 2001 से 2011 के बीच हिंदुओं की जनसंख्या 5.56त्न तक घट गई है। वर्ष 1971 में इस प्रदेश की कुल जनसंख्या में ईसाई एक प्रतिशत भी नहीं थे, लेकिन वर्ष 2011 में वे 30 प्रतिशत हो गए। इस दौरान बौद्ध अनुयायियों की संख्या भी घट गई है। असम में 2001 की जनगणनीय तुलना में हिंदू आबादी 2011 में लगभग तीन प्रतिशत घटी है। इस दौरान असम में हिंदू वृद्धि दर लगभग 11 प्रतिशत, तो मुस्लिम आबादी 29 प्रतिशत रही। प.बंगाल में भी हिंदुओं की वृद्धि दर तेजी से घट रही है। केरल में हिंदू जनसंख्या गत 100 वर्षों में 14 प्रतिशत घट चुकी है। स्वतंत्रता से पहले नागालैंड और मिजोरम–दोनों आदिवासी बहुल क्षेत्र थे। दिलचस्प तथ्य है कि वर्ष 1941 में नागालैंड की कुल आबादी में जहां ईसाई लगभग शून्य थे, तो मिजोरम में ईसाई आबादी आधा प्रतिशत भी नहीं थी। परंतु वह एकाएक 1951 में बढ़कर क्रमश- 46 और 90 प्रतिशत हो गए। 2011 की जनगणना के अनुसार, दोनों राज्यों की कुल जनसंख्या में ईसाई क्रमश- 88 और 87 प्रतिशत है। मेघालय की भी यही स्थिति है। इसी जनसांख्यिकीय स्थिति के कारण इन राज्यों में चर्च का अत्याधिक प्रभाव है। इसी वर्ष अगस्त-सितंबर में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अमेरिका में भाषण देते हुए तीन देशों के ईसाई-बहुल क्षेत्रों को शामिल करते हुए ईसाई राज्य' के दृष्टिकोण को साझा किया था। यहां अनुमान लगाना आसान है कि लालदुहोमा–भारत, बांग्लादेश और म्यांमार की बात कर रहे थे। इस षडयंत्र का संकेत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भी दे चुकी थी।यदि हिंदू बहुल भारत का एक तिहाई हिस्सा अगस्त 1947 में इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान बन गया, तो 21वीं सदी से पहले ईसाई बहुल सर्बिया का हिस्सा रहे मुस्लिम बहुल कोसोवो ने 2008 में स्वयं को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर लिया। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से 104 देशों ने कोसोवो को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता भी दी है। इसी तरह मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया का अंग रहे ईस्ट तिमोर (तिमोर लेस्ते) ने मई 2002 में स्वयं को अपनी ईसाई बाहुलता के कारण आजाद मुल्क घोषित कर दिया। यही स्थिति ईसाई बाहुल्य दक्षिणी सुडान की भी है, जिसने इस्लामी राष्ट्र सुडान से कटकर स्वयं के स्वतंत्र होने का ऐलान कर दिया। यह उदाहरण है कि कैसे मजहबी-सांस्कृतिक भिन्नता, किसी देश का विखंडन कर सकती है।

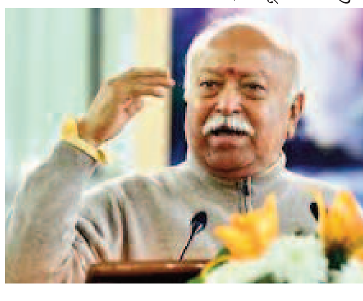

-बलबीर पुंज-

विनम्रता को आत्मसात करें,स्वभिमान को अस्त्र बनाये

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

विनम्रता अपनाएँ, सैकड़ों फायदे पाएँ

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

नाबालिग लड़की को भगाने व शपथ-पत्र बनवाने में सहयोग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एक युवक ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके दस्तावेज में छेड़छाड़कर उम्र बढ़ाकर अनुबंध के आधार पर शादी कर लिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं पीड़िता को भगाने, रखने व शपथ पत्र बनवाने के दौरान सहयोग करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तारर कर जेल दाखिल कर दिया है।

पीड़िता 25 अक्टूबर की सुबह स्कूल गई थी ग्राम सिधमा निवासी मिट्ठू राम उसे भगाकर ले गया था और उसके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज में छेड़छाड़ कर शपथ पत्र तैयार कर शादी कर लिया था और उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। परिजन की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं सहयोगी गांधीनगर स्थित टुनी च्वाइस सेंटर के संचालक उपेंद्र कुमार बुनकर उम्र 38 वर्ष साकिन सुभाषनगर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था, प्रकरण सदर में पीड़िता के मूल जन्म प्रमाण पत्र को अपडेट / जन्म तिथी को परिवर्तित करने वाली आरोपिया प्रमुख एएनएम सविता घोष पति किशोर घोष उम्र 47 वर्ष साकिन सुभाषनगर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था। पुलिस टीम द्वारा मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए मामले मे शामिल सह आरोपी एक्समस तिग्गा जो पीड़िता कों मुख्य आरोपी मिट्ठू रवि के साथ भगाने में एवं पीड़िता के विवाह के संबंध में तैयार शपथ पत्र में लगातार सहयोग किया जाना पाये जाने पर आरोपी (04) एक्समस तिग्गा पिता खोड़वा तिग्गा तिग्गा उम्र 23 वर्ष साकिन सल्याडीह बांधपारा थाना बतौली कों हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपराध घटित करने में सहयोग किया जाना स्वीकार करते हुए किराया रूम से पीडित बालिका का जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड बरामद कराया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से धारा 87, 64(2) (एम), 55, 318(4), 338, 336(3), 340(2) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

एनसीआरबी दिल्ली से गांधीनगर पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील वीडिया अपलोड किया गया है। मामले में गांधीनगर पुलिस ने तकनिकी जानकारी के आधार पर आरोपी क्षत्रशरण सिंह उम्र 24 वर्ष निवसी दर्रीडीह चौकी रघुनाथपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल व सीम कार्ड बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 67(ए), 67(बी) आईटी एक्ट, पोक्सो एक्ट की धारा 14 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, तापमान में वृद्धि से ठंड से राहत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

उत्तर छत्तीसगढ़ में पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण ठड से राहत मिली है। बादलों की सक्रियता के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। पिछले तीन दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में लगभग 3 डिग्री तापमान बढने् से ठंड से हल्की राहत मिली है।

इस वर्ष सरगुजा संभाग में रिकॉर्ड तोड़ ठंड पड़ रही है। नवंबर महीने में शीतलहर की स्थिति निर्मित थी। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण ठंड से राहत मिली थी। इसके बाद 10 दिसंबर के बाद पुनः कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। पूरे संभाग में शीतलहर की स्थिति निर्मित हो गई थी। न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया था। ठंड से लोग ठिठुर रहे थे। वहीं पाट इलाकों की स्थिति और की खराब थी। लोगों को दिन में भी ठंड से राहत नहीं मिल रही थी। उत्तर दिशा से शुष्क हवाओं के आने के कारण ठंड ने पिछले 13 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

गृहमंत्री द्वारा बाबा साहब के किये गए अपमान से ध्यान भटकाना चाहती है भाजपाःराकेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

संसद के अंदर केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह के द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विरुद्ध की गईअमर्यादित टिप्पणी पर गृहमंत्री से माफी की मांग और कॉग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध भजपाई षडयंत्र के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने घड़ी चौक पर जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में सांकेतिक प्रदर्शन किया है। संविधान पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री ने राज्यसभा में बाबा साहब के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी की। इसपर माफी मांगने के बजाय गृहमंत्री की टिप्पणी का शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में भाजपा सांसदों ने अभद्रता की। बाबा साहब के प्रति की गई अभद्रता से ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी पर धक्का मुक्की करने के झूठे आरोप में हत्या की प्रयास जैसे धाराओं में भाजपा ने अपराध दर्ज कराया है। सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने यह कहा कि भाजपा का प्रयास गृहमंत्री द्वारा बाबा साहब के किये गए अपमान से ध्यान भटकाने का है, इसीलिए राहुल गांधी के विरुद्ध झूठे आरोप में अपराध दर्ज कराया गया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में हिम्मत है तो घटना का सीसीटीवी फुटेज जारी करे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ध्यान भटकाने की लाख कोशिश कर ले, लेकिन अमित शाह जबतक बाबा साहब के विरुद्ध की गई अमर्यादित टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगेगे तबतक कांग्रेस उनके विरुद्ध आन्दोलन करेगी। आज के सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान महापौर अजय तिर्की, शफी अहमद, हेमंत सिन्हा, मो इस्लाम, सत्येंद्र तिवारी, मदन जायसवाल, शान्तान मुखर्जी, संध्या रवानी,रूही गजल, शमा परवीन, गीता प्रजापति, शकीला सिद्दकी, चंचल सांडिल्य, प्रीति सिंह, रश्मि, सपना सिंहा, साधना कश्यप, मोमिना बेगम रजनी महंत ,कुसुम मिंज ,मंजू सिंह, अनुराधा सिंह, निधि केरकेट्टा, आशीष वर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह, कलीम अंसारी, दीपक मिश्रा, काजू खान, बाबर खान, रजनीश सिंह, निखिल विश्वकर्मा, अविनाश कुमार, आतिश शुक्ला, दिनेश शर्मा, विकास केशरी, परवेज आलम गांधी, अली सोहेल, विनोद त्रिपाठी आदि शामिल थे।

चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति चढ़ा पुलिस के हत्थे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जोरी क़े सरईपानी निवासी बंधु राम पत्नी अनीता का छोटे भाई के साथ अवैध संबंध की शंका होने पर 17 दिसंबर की रात पहले तो बंधु अपने भाई को मारना चाहा परन्तु वह भाग निकला। उसके भागने के बाद पत्नी की जलती लकड़ी से बेदम पिटाई कर दी। इससे उसकी मौत हो गई। सुबह इसकी सूचना ग्राम वासियों ने धौरपुर थाने में दी। इस पर थाना प्रभारी अश्विनी दीवान ने तत्काल अन्य स्टाफ क़े साथ सरईपानी जाकर जांच की व महिला के शव को पीएम हेतु अस्पताल भेजा। मामले में पुलिस ने बंधु को हिरासत मे लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए घटना क्रम को बताया। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है।

रिटायरमेंट से 24 दिन पहले कमिश्नर ने पलट दिया कलेक्टर का ये आदेश,जमकर हो रही चर्चा

» सरगुजा संभाग के कमिश्नर जीआर चुरेंद्र ने जारी किया आदेश, कमिश्नर के आदेश जारी करने के 1 महीने पहले ही कलेक्टर ने जारी किया था आदेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के कमिश्नर जीआर चुरेंद्र ने करीब 1 महीने पहले जारी आदेश को पलट दिया है। इस आदेश को लेकर क्षेत्र में जमकर चर्चा हो रही है। दरअसल कमिश्नर 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले हैं। रिटायरमेंट से 25 दिन पहले उनके द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

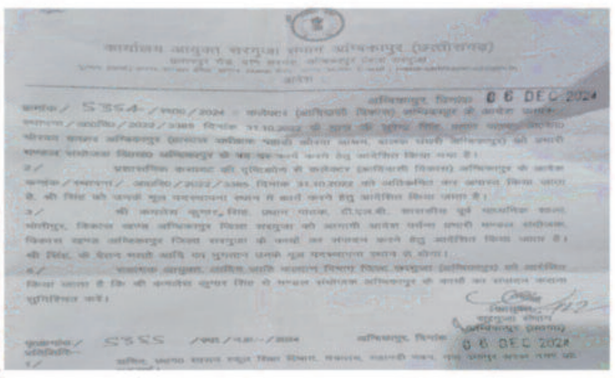

कमिश्नर ने मंडल संयोजक का प्रभार बदलकर दूसरे को मंडल संयोजक बनाने का आदेश जारी किया है। इस तरह से प्रभार बांटने को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

हम आपको बता दें कि सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर ने 31 अक्टूबर को आदेश जारी कर अंबिकापुर के प्राइमरी स्कूल चोरकाकछार के प्रधान पाठक सुरेंद्र सिंह (हॉस्टल अधीक्षक पहाड़ी कोरवा आश्रम बालक घंघरी) को प्रभारी मंडल संयोजक के पद पर कार्य करने कहा था।

इसके बाद से सुरेंद्र सिंह मंडल संयोजक के पद पर कार्यरत थे। इसी बीच सरगुजा संभाग के कमिश्नर जीआर चुरेंद ने 6 दिसंबर को एक आदेश जारी कर कलेक्टर आदिवासी विकास विभाग अंबिकापुर के आदेश को पलटते हुए अतिक्रमित कर अपास्त कर दिया।

उन्होंने मंडल संयोजक सुरेंद्र सिंह को उनके मूल पदस्थापना स्थान पर कार्य करने का आदेश जारी कर दिया। उनकी जगह उन्होंने अंबिकापुर विकासखंड के मिडिल स्कूल मोतीपुर में पदस्थ प्रधान पाठक टीएलबी कमलेश कुमार सिंह को मंडल संयोजक के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी कर दिया।

रिटायरमेंट से पहले पलटा कलेक्टर आदेश

कमिश्नर जीआर चुरेंद्र 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले हैं। इससे पूर्व उनके द्वारा कलेक्टर के आदेश को पलटते हुए मंडल संयोजक का प्रभार किसी और को देने पर सवाल उठने लगे हैं।

कमिश्नर ने सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग सरगुजा को कमलेश कुमार सिंह से मंडल संयोजक अंबिकापुर के कार्यों का संपादन कराने का आदेश भी दिया है। इसे लेकर क्षेत्र में जमकर चर्चा हो रही है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को किया गया पुरस्कार वितरण

» स्कूलों में हुआ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन, विकासखंड में चयनित बच्चों ने जिला स्तर पर प्रतियोगिता में लिया भाग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार के गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य शासन के निर्देश अनुसार शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में 09 से 20 दिसंबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इसी कड़ी में गतिविधियों के आयोजन उपरांत आज शुक्रवार को पुरस्कार वितरण हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के प्रांगण में किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, श्री आलोक दुबे, श्री ललन प्रताप सिंह, श्री अम्बिकेश केसरी, श्री विकास पाण्डेय, श्री विनोद हर्ष, श्री विकास वर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि की गरिमामय उपस्थिति रही।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जिला स्तर पर एक साल की उपलब्धि पर क्विज, सुशासन पर चित्रकला, पोस्टकार्ड लेखन, फैंसी ड्रेस, मेहंदी, रंगोली एवं पोस्टर बनाओ सहित कुल सात विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन गतिविधियों में सभी विकासखंडों से चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हेतु विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें जिला स्तर पर एक साल की उपलब्धि पर क्विज प्रतियोगिता में सीतापुर के आदित्य यादव प्रथम, मैनपाट की सुहाना नामदेव द्वितीय, और बतौली के प्रवीण कुमार पैंकरा तृतीय स्थान पर रहे। सुशासन पर चित्रकला प्रतियोगिता में सीतापुर की अनुजा पावले प्रथम, बतौली की ज्योति नागेश द्वितीय और उदयपुर की अन्नपूर्णा गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी तरह पोस्टकार्ड लेखन में अंबिकापुर की समृद्धि यादव प्रथम, सीतापुर की हिमांशी प्रजापति द्वितीय और लखनपुर की अनामिका सिंह तृतीय रही। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बतौली से महावीर राम प्रथम, लुण्ड्रा से जिज्ञासा यादव द्वितीय, और सीतापुर से मंदीप पैंकरा तृतीय साथ मेहंदी प्रतियोगिता में अंबिकापुर से निधि साहू प्रथम, सीतापुर से काशिनी दास द्वितीय और लखनपुर से सिमरन सिंह तृतीय स्थान, रंगोली प्रतियोगिता में अंबिकापुर से आँचल मरकाम प्रथम, लुण्ड्रा से ललिता यादव द्वितीय और श्रृष्टि एक्का तृतीय स्थान, एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में दीनदयाल प्रथम स्थान पर रहे।

सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण समारोह में प्रमाण पत्र सहित पुरस्कार देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया एवं अन्य प्रतिभागी विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र सहित सांत्वना पुरस्कार अतिथियों के हाथों प्रदान किये गए। इस अवसर पर सहायक जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा श्री रमेश सिंह, जिला मिशन समन्वयक श्री रविशंकर तिवारी के साथ शिक्षा विभाग के विभिन्न अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की एवं उनका उत्साह वर्धन किया।

प्रदेश में बढ़ते अपराधों के पीछे कांग्रेस का षड्यंत्रःनकुल सोनकर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष नकुल सोनकर एवं अजा महिला मोर्चा की भारती सोनवानी ने संयुक्त बयान जारी कर बलौदा बाज़ार की आगजनी घटना को ले कर कांग्रेसी नेताओं पर तीखा प्रहार किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विधायक उत्तरी जांगड़े द्वारा अन्य विधायक उमेश पटेल, राम कुमार यादव, चतुरी नंद, कविता प्राण लहरे की उपस्थिति में बलौदा बाजार की आगजनी की घटना को कांग्रेस का शौर्य उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से ऐसा ही प्रदर्शन करने के लिए कहना छत्तीसगढ़ में बढ़ रहे अपराध के पीछे विशेषकर बलौदा बाजार अग्निकांड में कांग्रेस की भूमिका की आत्म स्वीकृति है ।

नकुल सोनकर ने कहा कि राजीव मितान क्लब बंद होने पर भूपेश बघेल का यह बयान की युवा खाली हो गए हैं इसलिए प्रदेश में बलात्कार और हत्या की घटनाएं व अपराध बढ़ रहे हैं। शिक्षक दिवस के दिन बलौदा बाजार के हेड मास्टर पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के ऊपर पैसा ऐंठने का आरोप लगाकर आत्महत्या कर लेते हैं।

सूरजपुर में एक पुलिस हेड कांस्टेबल की पत्नी और मासूम बच्ची की हत्या के मामले में कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के पदाधिकारी कुलदीप साहू की संलिप्तता सामने आई थी।आगे उन्होंने कहा कि यह सारी घटना कांग्रेस के आपराधिक चरित्र का शर्मनाक नमूना है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने गुण्डा तत्वों के जरिए कानून-व्यवस्था बिगाड़कर अराजकता और आतंक का जहर घोलने में लगी है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में कांग्रेस के एक प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कलेक्टर कार्यालय में अंदर घुसकर तोड़फोड़ करने के लिए उकसाया गया है। उत्तरी जांगड़े ने बाकायदा बलौदाबाजार में लगभग 6 माह पहले हुई आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा का हवाला देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उसी घटना की पुनरावृत्ति करने कहा है।

भारती सोनवानी ने कहा कि कांग्रेस के चार अन्य विधायकों कविता प्राण लहरे, उमेश पटेल, राम कुमार यादव राठिया, पूर्व विधायक प्रकाश नायक की मौजूदगी में विधायक उत्तरी जांगड़े का यह बयान बलौदाबाजार की हिंसक घटना समेत कानून-व्यवस्था को चुनौती देते तमाम आपराधिक कृत्यों की आत्म-स्वीकृति है। कांग्रेस लगातार प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर मिथ्या प्रलाप कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि प्रदेश में बढ़ते अपराधों के पीछे कांग्रेस का षड्यंत्र ही काम कर रहा है। भारती सोनवानी आगे बताया कि कांग्रेस अपने टूलकिटिया षड्यंत्र के बेनकाब होने जाने से न केवल अपने ही षड़यंत्रों के जाल में फँस गई है, अपितु उत्तरी जांगड़े द्वारा हिंसा, तोड़पोड़ और अराजकता फैलाने के उकसावे में छिपी आत्म-स्वीकृति को कांग्रेस के गले की हड़डी बना दिया है।

आगे भारती सोनवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जबसे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता सम्हाली है, कांग्रेस के लोग यह हजम नहीं कर पा रहे हैं और रह-रहकर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को चुनौती देकर प्रदेश में अराजकता का माहौल निर्मित करने के नित-नए षड्यंत्र रचने में लगे हैं। पिछले सालभर में अमूमन हर बड़े अपराध में कांग्रेसियों की संलिप्तता सामने आई है।

हर तरह के अपराधों में संलग्न लोगों की शरणस्थली बनी कांग्रेस का यही राजनीतिक ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि जब वह सत्ता में होती है तो आपराधिक तत्वों को प्रश्रय देकर अपने हित साधने के लिए उन्हें इस्तेमाल करती है, और सत्ता से दूर रहने पर इन्हीं तत्वों को इस्तेमाल करके प्रदेश में अपराधों का सिलसिला चलाकर अराजकता फैलाने में अपनी ताकत झोंक देती है।

बांग्लादेश व पाकिस्तान की नई चाल, सार्क को जिंदा करने में जुटे युनूस और शरीफ,भारत ने क्यों नहीं दिखाई रुचि ?

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया (मुख्य सलाहकार) प्रोफेसर मोहम्मद युनूस की तरफ से दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को ठंडे बस्ते से निकालने की कोशिश पर भारत ने बेहद ठंडी प्रतिक्रिया जताई है।

युनूस एक दिन पहले मिस्र में पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ से मुलाकात की और इसमें कई द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही सार्क बैठक को फिर से शुरू करने पर बात हुई है। इसके पहले भी प्रो. युनूस ने इस बारे में पाकिस्तान पीएम से बात कर चुके हैं।

हवा देने में जुटा बांग्लादेश

सार्क संगठन की शिखर बैठक वर्ष 2016 में होने वाली थी लेकिन भारत समेत इसके अन्य सभी देशों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ इसका विरोध किया और बैठक नहीं हो सकी। उसके बाद सार्क की बात भी कोई देश नहीं कर रहा था लेकिन पूर्व पीएम शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इसको हवा देने में जुटी है।

सार्क क्यों ठंडे बस्ते में पड़ा, सब जानते हैंः भारत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल से पूछा गया तो उनका जवाब था कि, ÷जहां तक क्षेत्रीय सहयोग की बात है तो भारत इसके लिए लगातार कोशिश करता रहा है। इसके लिए हम कई प्लेटफॉर्म के जरिए आगे बढ़ना चाहते हैं। इसमें बिम्सटेक (भारत, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार और थाइलैंड का संगठन) है जिसमें कई हमारे पड़ोसी देश जुड़े हुए हैं। सार्क भी ऐसा ही एक संगठन है लेकिन यह लंबे समय से ठंडा पड़ा हुआ है और क्यों ठंडा पड़ा हुआ है, इसके बारे में सब जानते हैं।

इस वजह से टली थी सार्क की बैठक

जायसवाल ने इस बारे में खुलकर नहीं कहा कि सार्क की गतिविधियां क्यों नहीं हो रही लेकिन यह बात सर्वविदित है कि वर्ष 2016 में पठानकोट और ऊरी आतंकी हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की भूमिका सामने आने के बाद भारत ने सार्क को लेकर अरुचि दिखानी शुरू कर दी थी। उस साल नवंबर-दिसंबर में इस्लामाबाद में सार्क शिखर की तैयारियों में पाकिस्तान जुटा था। बैठक से ठीक पहले भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव और श्रीलंका ने इसका बहिष्कार कर दिया था।

बिम्सटेक को प्रोत्साहित कर रहा भारत

सार्क की जगह भारत ने बिम्सटेक को प्रोत्साहित करना शुरू किया। शुक्रवार को भी इस संगठन के सदस्य देशों के शीर्ष अधिकारियों की एक बैठक हुई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में सहयोग के कई प्राथमिकता वाले मुद्दों जैसे कनेक्टिविटी, सुरक्षा, लोगों के बीच आदान-प्रदान से जुड़े विषयों पर बात हुई है। जल्द ही बिम्सटेक का शिखर सम्मेलन भी होने वाला है। इस बैठक में आगामी शिखर सम्मेलन की तैयारियों का भी जायजा लिया गया है।

भीषण सड़क हादसों में 44 की मौत,76 घायल

काबुल ,20 दिसंबर 2024। पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में बुधवार रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 44 यात्रियों की मौत हो गई और 76 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति निदेशक मुल्ला हमीदुल्ला नेसार ने बताया कि ये दुर्घटनाएं गजनी शहर के बाहरी इलाके और प्रांत के अंदार जिले में, राजधानी काबुल को दक्षिणी कंधार प्रांत से जोडऩे वाले राजमार्ग के पास हुईं।

नेसार के अनुसार, सभी घायलों को इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है, लेकिन अधिकांश की हालत गंभीर बताई गई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, भीड़भाड़ वाली सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चलाना और जर्जर मार्गों पर यातायात संकेतों की कमी युद्धग्रस्त देश में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण हैं।

इससे पहले सोमवार को दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में एक परिवार को ले जा रहा वाहन खाई में गिर गया था। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति विभाग से प्राप्त जानकारी के हवाले से यह जानकारी दी।

सूत्र ने बताया कि यह दुर्घटना प्रांत के बाबाजी जिले में हुई, जब वाहन नियंत्रण खो बैठा और एक गहरी खाई में गिर गया, जिससे महिलाओं और बच्चों सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पिछले सप्ताह उत्तरी बदख्शां प्रांत में एक जीप के नदी में गिर जाने से छह यात्रियों की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे।

रूस बना रहा एक और वैक्सीन,48 घंटे में दिखेगा असर

मास्को,20 दिसम्बर 2024। आज के समय में पूरी दुनिया कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से परेशान है। कैंसर का मंहगा इलाज और वैक्सीन ना मिलने के कारण कई लोगों की मौत हो जाती है। वहीं, इस बीच रूस ने इस बीमारी के समाधान के लिए एक बड़ा एलान किया है, रूस ने कहा कि उसने कैंसर की वैक्सीन बना ली, जो सभी नागरिकों के लिए फ्री में उपलब्ध होगी।

रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई काप्रिन ने कहा, रूस की इस कैंसर वैक्सीन को अलग-अलग तरह के मरीजों के लिए अलग-अलग बनाया जाएगा।

इस खासियत की वजह से इसकी कीमत करीब 2.5 लाख रुपए होगी। रूसी नागरिकों को ये वैक्सीन मुफ्त में मिलेगी। हालांकि दुनिया के बाकी देशों के ये वैक्सीन कब मिलेगी, इसके बारे में काप्रिन ने कोई जानकारी दी है।

2025 में कैंसर वैक्सीन होगी लॉन्च

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एलान किया है कि उसने कैंसर के खिलाफ एक टीका बना लिया है जिसे 2025 की शुरुआत से रूस के कैंसर रोगियों को फ्री में लगाया जाएगा।

रूसी राज्य के स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी TASS के अनुसार, रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के जनरल डायरेक्टर एंड्री काप्रिन ने रूसी रेडियो चैनल पर इस वैक्सीन को लेकर जानकारी दी।

वहीं, डायरेक्टर आंद्रेई काप्रिन ने बताया कि प्रीक्लिनकल ट्रायल में वैक्सीन प्रभावी साबित हुई है। इससे ट्यूमर का विकास धीमा होने के साथ उस पर 80ज्ञ तक कमी देखी गई है। इस वैक्सीन को मरीजों के ट्यूमर सेल्स के डेटा के आधार पर स्पेशल प्रोग्राम के जरिए डिजाइन किया जाता है।

48 घंटो में होगा वैक्सीन का असर

रूस की फेडरल मेडिकल बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्वोर्त्सकोवा ने वैक्सीन के काम करने के तरीके को मेलानोमा (स्किन कैंसर) से समझाया है। सबसे पहले कैंसर के रोगी में से कैंसर सेल्स का सैंपल लिया जाता है।

इसके बाद वैज्ञानिक इस ट्यूमर के जीन की सीक्वेंसिंग करते हैं। इसके जरिए कैंसर सेल्स में बने प्रोटीन की पहचान की जाती है। प्रोटीन की पहचान के बाद पर्सनलाइज्ड mRNA वैक्सीन बनाई जाती है। ऋ को लगने वाली कैंसर वैक्सीन शरीर को ञ्ज सेल्स बनाने का आदेश देती है।

ये ञ्ज सेल्स ट्यूमर पर हमला कर कैंसर को खत्म कर देती हैं। इसके बाद इंसानी शरीर ट्यूमर सेल को पहचानने लगता है, जिससे कैंसर दोबारा नहीं लौटता है।

मर्सिडीज नहीं,रेंज रोवर नहीं...पाकिस्तान में पावर सिंबल बना ये पिकअप ट्रक,नेताओं के काफिले में आती है नजर

कराची,20 दिसम्बर 2024। अगर आपने कभी किसी नेता या VIP का काफिला देखा होगा तो आपको इस काफिले में कई महंगी और शानदार जरूर देखने को मिली होगी। ये गाड़ी आम लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। हालांकि, कुछ ऐसी गाड़ियां भी होती है, जो हर काफिले में अपनी जगह बना ही लेती है। पाकिस्तान में भी एक ऐसी गाड़ी है, जो हर काफिले में नजर आ रही है। हालंकि, ये कोई आम कार नहीं, बल्कि पिकअप ट्रक है।

टोयोटा हाइलक्स का दिख रहा क्रेज

मौजूदा समय में पाकिस्तान की सड़कों पर SUVs और टोयोटा हाइलक्स पिकअप ट्रक (Toyota Hilu& Pickup Trucks) एक दूसरे के साथ-साथ नजर आते हैं। एक तरफ जहां राजनेता या कोई VIP किसी एसयूवी पर बैठे नजर आते हैं तो उनका सुरक्षा गार्ड पिकअप ट्रक पर हथियार के साथ बैठे रहते हैं।

टोयोटा हाइलक्स को एक ताकतवर गाड़ी के रूप में देखा जाता है। ट्रक के पिछले हिस्से में स्कार्फ से लिपटे और एके-47 से लैस सुरक्षाकर्मी बैठे रहते हैं। वहीं, इन गाड़ियों के शीशे काले रंग के होते हैं।

विलासिता के लिए मशहूर हुई ये गाड़ी

पाकिस्तान में हिलक्स की शुरुआत 1968 में हुई थी, लेकिन वहां जो मॉडल लोकप्रिय हुआ वह 2000 के दशक के मध्य का हिलक्स विगो था। यह एक लक्जरी गाड़ी है। गाड़ी की कीमत लगभग 10 से 15 मिलियन डॉलर रुपए हैं।

हालांकि, किडनैपिंग जैसे अपराध को अंजाम देने के लिए भी इस गाड़ी का काफी इस्तेमाल किया जाता है। पाकिस्तान की राजनीति में और पुलिस प्रशासन द्वारा इस गाड़ी का इस्तेमाल काफी किया जाता है। देश के ज्याजदातर राजनेताओं के काफिले के साथ इस गाड़ी को देखा जा सकता है। ऑफ रोडिंग के लिए भी ये गाड़ी काफी अच्छी मानी जाती है।

सांसदों में खूब चले लात-घूंसे,कुर्सियां भी फेंकी, भारत के बाद इस देश की संसद में 'दंगल'

नई दिल्ली,20 दिसम्बर 2024। ताइवान की संसद में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर कब्जा करने के कोशिश की। शुक्रवार रात को विपक्षी सांसद जबरदस्ती संसद में घुसे और तोड़फोड़ की। इतनी देर में दूसरी पार्टी को सांसद भी स्पीकर की कुर्सी तरफ आ पहुंचे।

इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसद आपस में भिड़ गए। एक झटके में संसद मानों कुश्ती का अखाड़ा बन गया। ताइवान की रिपोर्ट के मुताबिक, इस झड़प में कुछ सांसद घायल भी हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर किया कब्जा

ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के सांसदों ने गुरुवार रात संसद में धोवा बोल दिया। सांसदों ने खिड़कियां तोड़ डाली। सांसदों ने स्पीकर की कुर्सी पर कब्जा भी कर लिया।

क्या है मामला ?

दरअसल, नेशनलिस्ट पार्टी की ओर से तीन विधेयक पेश किए जा रहे हैं। विपक्ष ने इन तीनों विधेयक पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

विपक्ष का कहना है कि सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। अगर ये तीन विधेयक पारित हो जाती है तो देश की अदालत पंगु हो जाएगी। अदालत सरकार के खिलाफ फैसले नहीं ले पाएगी। वहीं, राज्यों से मिला टैक्स का ज्यादातर हिस्सा केंद्र के कब्जे में चला जाएगा।

विपक्ष के एक नेता ने जानकारी दी कि विधेयक पर चर्चा हुई थी, लेकिन पार्टियों के बीच मतभेद दूर नहीं हुए थे।

इजरायल पर भड़का UNः एंटोनियो गुटेरेस ने सुनाई खरी-खरी,कहा-सीरिया के साथ खड़ा हो वैश्विक समुदाय

संयुक्त राष्ट्र,20 दिसम्बर 2024। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को कहा कि इजरायल सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन रोके। उन्होंने इजरायल के व्यापक हवाई हमलों की निंदा की है, जिसका उद्देश्य सामरिक हथियारों और सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है।

कुछ लोग फायदा उठाने की कोशिश करेंगे

गुटेरेस ने कहा कि दोनों देशों के बीच वाले उस बफर क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के अलावा कोई सैन्य बल नहीं होना चाहिए और उन शांति सैनिकों को कार्य करने के लिए आवागमन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इजरायल और सीरिया को 1974 के सेना विघटन समझौते की शर्तों को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मगर यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दायित्व है कि वह सीरिया के लोगों के साथ खड़े हों।

अमेरिका ने सीरिया में दोगुनी की सेना

सीरिया में अमेरिका ने अपनी सेना दोगुनी कर दी है। पेंटागन के प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान में वहां अमेरिकी सैनिकों की संख्या 2000 कर दी गई है। यह पहले की दी गई 900 अमेरिकी सैनिकों से 1100 अधिक है।

सीरिया पहुंचा अमेरिकी दल

वहीं, बशर अल असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद सीरिया का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी राजनयिक अब देश की नई सत्ता में शामिल लोगों से बातचीत करने और लापता अमेरिकी पत्रकार आस्टिन टाइस की जानकारी हासिल करने दमिश्क पहुंचा। यह टीम अमेरिकी राजनयिकों का पहला समूह भी है, जो 2012 में अमेरिका द्वारा दमिश्क में दूतावास बंद करने के बाद से औपचारिक रूप से सीरिया का दौरा कर रहा है।

पुनर्निर्माण में मदद करेगा तुर्कियेः एर्दोगन

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश सीरिया की संक्रमण प्रक्रिया का समर्थन करेगा और देश की रिकवरी और स्थिरता में योगदान देगा। एर्दोगन ने काहिरा से लौटते समय पत्रकारों से कहा, ÷संविधान का मसौदा तैयार करना राज्य के पुनर्निर्माण में एक महत्वपूर्ण कदम है। एर्दोगन ने कहा कि हमने सीरिया के नए प्रशासन में प्रमुख हस्तियों के साथ संचार शुरू किया है। तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान सीरिया के भविष्य के लिए सहयोगी ढांचा बनाने पर चर्चा करने जल्द ही सीरिया जाएंगे।

सीरिया का बुनियादी ढांचा तबाह...

एर्दोगन ने कहा कि फिलहाल सीरिया ऊर्जा के क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमारा लक्ष्य इन मुद्दों को तेजी से हल करना है। वर्षों से चल रहे संघर्ष ने सीरिया के बुनियादी ढांचे और शहरों को तबाह कर दिया है। यही वजह है कि शहरों का पुनर्निर्माण और स्थायी आजीविका बनाना आवश्यक है।

सांसद चिंतामणि के मुख्य आतिथ्य में राजापुर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

» शिविर में 50 से ज्यादा हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण,स्वयं ग्रामीणों से संवाद कर ली जानकारी

– संवाददाता –
अम्बिकापुर,20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

विकासखंड मैनपाट के ग्राम राजापुर में शुक्रवार को जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन सप्ताह 2024 के तहत शासन के निर्देशानुसार प्रशासन गांव की ओर अभियान को बढ़ावा देते हुए शिविर में ग्रामीण हितग्राहियों को उनके पूर्व में लिए गए आवेदन के मांग अनुरूप हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही शिविर में भी आवेदन मांगों और समस्याओं के संबंध में आवेदन लिए गए।

राजापुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही कलेक्टर श्री विलास भोसकर, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, श्री रजनीश पांडेय, श्री सेतराम बड़ा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने आम जन को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाए जा रहे हैं और शिविर के माध्यम से प्रशासन आपके पास आ रहा है जिससे आपकी समस्याओं का निराकरण आपके गांव में ही किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का जरूर लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि

छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को पूरा कर रही है। अपने वादे के अनुसार योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कर किसानों को लाभ दिया जा रहा है, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक बने। शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं चलाई जा रही है जो युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि अब सरगुजा में हवाई सेवा की शुरुआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार, प्रधानमंत्री श्री मोदी की परिकल्पना अनुसार हवाई चप्पल पहनने वाले भी अब हवाई सेवा का लाभ ले सकेंगे।

शिविर में 50 से ज्यादा हितग्राहियों हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण, स्वयं ग्रामीणों से संवाद कर ली जानकारी

शिविर में सांसद श्री चिंतामणि द्वारा 50 से ज्यादा हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान उन्होंने सीधे ग्रामीणों से बात कर उनकी समस्याओं को जाना और उनके निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित भी किया। शिविर में सांसद द्वारा 06 हितग्राहियों को खाद्य विभाग अंतर्गत राशनकार्ड, 10 हितग्राहियों को राजस्व विभाग अंतर्गत ऋण पुस्तिका और 06 हितग्राहियों को कृषि विभाग अंतर्गत सिंचाई पंप का वितरण किया गया। इसी तरह स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 07 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 03 हितग्राहियों को मत्स्य विभाग अंतर्गत जाल, महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत 08 गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं 10 शिशुओं का अन्नप्राशन किया गया।

पटना क्षेत्र से एस कुमार नाम के व्यक्ति का जुआ फड़ सूरजपुर के रमकोला हुआ ट्रांसफरः सूत्र

कोरिया में छपी खबर तो जुआ खिलावाने का परमिशन हुआ खत्म...जुआरियों ने किया सूरजपुर के रमकोला का रुख

जुआरियों को जुआ खेले बिना नहीं है चैन राष्ट्रीय नहीं अंतरराष्ट्रीय खेलना व खिलवाना चाहते हैं जुआ एस कुमार?

अब सूरजपुर पुलिस को भी जुआरियों पर करनी होगी कार्यवाही जिससे सूरजपुर जिले में भी जुआ संचालन पर लगे रोक

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024 | 5

एस कुमार की पहुंच कहां तक है कि उसके जुआ फड़ पर नहीं पहुंच पा रही कोरिया पुलिस,

कौन है एस कुमार जिसे जुआ खिलवाने से नहीं रोक पा रहा पुलिस प्रशासन?

क्या एस कुमार के जुआ फड़ पर ना थाना प्रभारी...ना एसपी...ना आईजी...ना विधायक...ना मंत्री इन में से कोई नहीं है जो कार्यवाही कर सके...

अभी तक पहुंचता है एस कुमार का पैसा क्या यही वजह है कि नहीं होती कार्यवाही:सूत्र

सरकार किसी की भी हो पर एस कुमार का जुआ फड़ चलता ही रहेगा?

जिला पंचायत उपाध्यक्ष के क्षेत्र में एस कुमार का संचालित हो रहा है अंतरराज्यीय फड़ वह भी एक क्रेशर में

उत्तर प्रदेश से आता है सबसे बड़ा जुआरी

क्रेशर में प्रतिदिन पहुंचते हैं 100-150 जुआरी

सभी को पता है कि बड़े स्तर का जुआ फड़ संचालित हो रहा है... फिर पुलिस को यह बात क्यों नहीं पता?

-विशेष संवाददाता-
कोरिया/सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

जहां सेटिंग होगी वहां अपना जुआ फड़ संचालित करेंगे,कुछ इसी पैटर्न में एस कुमार नाम का व्यक्ति जो जुआ फड़ संचालन करता है, अपना जुआ फड़ संचालित करता है, एस कुमार नाम इस समय पूरे संभाग में काफी फेमस हो चला है और यह नाम इसलिए फेमस है क्योंकि यह बड़े स्तर पर जुआ फड़ संचालित करता है और इसके जुआ फंडों पर अंतरराज्यीय स्तर पर जुआ के शौकीन पहुंचते हैं, अभी कुछ समय से इनका अड्डा कोरिया जिले के कुडेली का एक स्टोन क्रेशर बना हुआ था खबर प्रकाशित होने के बाद अब जुआ संचालक सूरजपुर का रुख कर लिए हैं, सूत्रों का दावा है कि इस समय जुआ फड़ संचालक सूरजपुर के रमकोला थाना का रुख कर लिए हैं और रमकोला थाना के अंतर्गत खाड़ा में उनका जुआ फड़ संचालित हो रहा है, यह क्षेत्र काफी बीहड़ जंगल वाला क्षेत्र है और इस बार इस जंगल वाले क्षेत्र को युवा संचालक ने अपना अड्डा बनाया है जहां पिछले चार दिनों से जुआ फड़ संचालित हो रहा है अब यह बात वहां की पुलिस को पता है या नहीं या फिर उनके जानकारी में ही है जुआ फड़ संचालित हो रहा है यह तो बड़ा सवाल है?

आपको बता दें कि जुआ एक सामाजिक बुराई है इसका शौक रखने वाले या तो बर्बाद हो जाते हैं या फिर इतना ज्यादा कंगाल हो जाते हैं कि फिर उनकी बर्बादी की खबर ही आती है इस जुए में किसी का भी समय एक समान नहीं होता है, ज्यादा फायदा होता है तो उससे ज्यादा नुकसान की भी संभावना बनी रहती है यही वजह है कि इसे सामाजिक अपराध माना गया है और यह एक ऐसा अपराध है जिसमें फंसकर लोग अपनी जिंदगी तबाह कर ली है, और आज भी अपनी जिंदगी तबाह कर रहे हैं यही कारण है कि इसे अपराध मानते हुए इस पर कार्यवाही की जाती है, पर इसके शौक रखने वाले छुपते छुपाते इसमें अपना किस्मत आजमाने बैठ ही जाते हैं, पर अभी की स्थिति तो यह है कि ऐसे आयोजन को करने के लिए कुछ लोग इसका संचालन का जिम्मा उठाने बैठे हैं जिससे संचालन करने वाले को तो फायदा होता ही है साथ ही उस संचालन में सुरक्षा के साथ बैठकर जुआ खेलने का उन्हें विश्वास मिलता है और यह विश्वास संचालक कार्यवाही करने वाली पुलिस व प्रशासन को अच्छी खासी रकम देकर अपने गिरफ्त में कर लेता है ताकि उनके संचालन में किसी प्रकार की विघ्न बाधा ना आए और वह निर्भीक होकर इस जुआ फड़ को संचालित कर सकें यही वजह है कि इससे जुआ फड़ वालों को तो लाभ होता ही है साथ ही कार्यवाही करने वाले भी इसके लाभांश के हिस्सा बनते हैं।

बिना जुआ फड़ संचालित किए नहीं रह सकता एस कुमार?

एस कुमार नाम के शख्स को लेकर बताया जा रहा है कि वह बिना जुआ फड़ संचालित किए नहीं रह सकता। इस कारण के पीछे की वजह भी अजीब है वह यह है कि एस कुमार खुद जुआ खेलने का शौकीन है और अपने शौक की वजह से वह काफी कुछ बड़ी राशि जुए में हार चुका है और वह अब जुए से ही हारी हुई रकम वापस चाहता है और इसलिए वह जुआ फड़ का संचालन करता है और खेलता भी है खिलाकर पैसा भी वसूलता है।

साल भर जुआ फड़ संचालित करने माद्दा रखता है एस कुमार

एस कुमार पूरे वर्ष जुआ खिलाने का माद्दा रखता है। एस कुमार अलग अलग जगह की तलाश में लगा रहता है जहां जुआ खिलवाना आसान हो और जहां धर पकड़ की संभावना भी कम हो। वैसे ज्यादा वह डरकर जुआ नहीं खिलवाता है वह निडर होकर ही इस कारोबार को करता है जहां उसकी सेटिंग की तारीफ करनी होगी क्योंकि वह अपने जुआ फड़ संचालन मामले में सेटिंग में माहिर है।

एस कुमार के जुआ फड़ पर अंतरराज्यीय जुआरी लगाते हैं अपना दाव

एस कुमार के जुआ फड़ पर जिले के अन्य जिलों के वहीं अन्य प्रदेशों के लोग जुआ खेलने आते हैं। एस कुमार का जुआ फड़ अंतरराज्यीय जुआ फड़ है जहां जुआ खेलने के शौकीन अन्य राज्यों से प्रतिदिन आते हैं।

सर्वोदय सेवकों का विंध्य में स्वागत है : डॉ. विनम्र वी जैन

कहा...अच्छे विचारों को प्रोत्साहित करने से अच्छा बनता है समाज

-बागी कलम-
अनूपपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से अनूपपुर आने वाले सर्वोदय नेताओं और सेवकों का स्वागत करते हुए शहडोल संभाग के अग्रणी चिकित्सालय अमृता अस्पताल के डायरेक्टर रोबोटिक सर्जन डॉ विनम्र वी जैन ने कहा कि अच्छे विचारों और कार्यों से जुड़ने और उन्हें प्रोत्साहित करने से अच्छाई का वातावरण निर्मित होता है जिससे समाज अच्छा बनता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. विनम्र वी. जैन सर्व सेवा संघ अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष और लोक समिति अनूपपुर के जिलाध्यक्ष एवं चंद्रशेखर सिंह उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी में हैं। यह जानकारी आयोजन समिति के संयोजक सर्व सेवा संघ के युवा

विन्ध में पहला सर्व सेवा संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन,देश भर के गांधीजन लेंगे हिस्सा

समाज के निर्माण व विकास की दिशा में सर्व सेवा संघ ने किए हैं कई महान कार्य

सेल के राष्ट्रीय संयोजक भूपेश भूषण ने दी। ज्ञात हो कि विंध्य में सर्व सेवा संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन पहली बार 22, 23 दिसंबर को अनुपपुर में किया जा रहा है। सर्व सेवा संघ सर्वोदय विचार की सर्वोच्च संस्था है जिसके दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन महात्मा गांधी के पोते सामाजिक कार्यकर्ता व लेखक श्री तुषार गांधी करेंगे। वरिष्ठ अधिवेशन में कई ख्यातिलब्ध गांधी विचारक, चिंतक, लेखक एवं रचनात्मक कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिसमें सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन पाल, पूर्व अध्यक्ष डॉ सुगन बरंठ, मैनेजिंग ट्रस्टी शेख हुसैन, गांधी वाचक अरविंद अंजुम, गांधी नेशनल म्यूजियम के डायरेक्टर डॉ. ए. अन्नामलाई, गांधी भवन न्यास के अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव दयाराम नामदेव, सम्यक अभियानक प्रवर्तक वरिष्ठ लेखक, विचारक भास्कर राव रोकड़े, पूर्व संसद और गांधी विचार की वाहक मीनाक्षी नटराजन, पूर्व आईएएस और लेखक राजीव शर्मा, पूर्व हाई कोर्ट जस्टिस मनोरंजन मोहंती, किसान अधिकार अभियान महाराष्ट्र के संयोजक अविनाश काकडे और राजस्थान के संयोजक जगदीश भाई, डॉ विश्वजीत रॉय, मध्यप्रदेश गांधी स्मारक निधि की सचिव दमयंती पाणी आदि। इसके अलावा प्रदेश सर्वोदय मंडलों के अध्यक्ष, मंत्री सहित 350 डेलीगेट्स शामिल होंगे।

डॉ विनम्र वी जैन ने कहा कि ये अत्यंत हर्ष का विषय है कि उनका पूरा परिवार समाजवादी और सर्वोदय विचार के साथ गहरे जुड़ा रहा है। मैंने बचपन से अपने घर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, समाजवादी और सर्वोदयी नेताओं का आना-जाना देखा है। उनसे मिला हूं, उन्हें सुना-जाना और उनका स्नेह पाया है साथ ही मेरे यशस्वी पिता सर्व सेवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारणी में रहे हैं इसलिए मेरे लिए यह गौरव की बात है कि मुझे सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। मैं तहे दिल से सभी आगंतुक सर्वोदय सेवकों का विंध्य की पावन धरती में आत्मीय स्वागत करता हूं, हमारी कोशिश होगी कि सभी के निवास व भोजन की समुचित व्यवस्था करने का पूरा प्रयास रहेगा।

इंडसइंड बैंक ने सूरजपुर में अपनी नई शाखा का किया उद्घाटन

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

इंडसइंड बैंक ने आज सूरजपुर में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया, जिससे बैंक ने छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति बढ़ाई है। शाखा का उद्घाटन कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा किया। इस अवसर पर इंडसइंड बैंक के मार्केट हेड सुभान सुंदरम और ब्रांच मैनेजर नूतन तिवारी उपस्थित थे।इंडसइंड बैंक का यह ब्रांच प्रदीप स्टूडियो के पास सूरजपुर मुख्य रोड पर स्थित है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक व सभी बैंक स्टाफ उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल थे।

वार्डों के आरक्षण का हुआ निर्धारण

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए गुरुवार 19 दिसंबर को सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभागार में वार्डों का आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन की मौजूदगी में सूरजपुर नगर पालिका परिषद सहित 04 नगर पंचायतों के लिए वार्डों का आरक्षण किया गया। नगर पंचायत के रूप में जरही, बिश्रामपुर, प्रतापपुर, भटगांव शामिल थे। इस अवसर पर लॉटरी के माध्यम से आरक्षण का कार्य पूरा किया गया है। आरक्षण की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता के साथ सभी नियमों का पालन करते हुए पूर्ण किया गया है। नगर पालिका परिषद सूरजपुर के 18 वार्ड, नगर पंचायत भटगांव के 15 वार्ड, नगर पंचायत प्रतापपुर के 15 वार्ड, नगर पंचायत जरही के 15 वार्ड व नगर पंचायत बिश्रामपुर के 15 वार्डों के लिए क्रमवार आरक्षण का निर्धारण किया गया।

महिलाओं को लखपति दीदी बनने के संबंध में दी गई जानकारी

-संवाददाता-
कोरबा,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रशासन गांव की ओर के तहत जिला पंचायत कोरबा के प्रांगण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत लखपति दीदी बनने के विषय पर, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा के माध्यम से अभिसरण कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के संबंध में चर्चा की गई एवं आवास योजना के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का संदेश विष्णु की पाती का वाचन किया गया। इस अवसर जिला पंचायत के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी व ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

सियान सदन में दिव्यांगजन खिलाड़ियों एवं वरिष्ठों नागरिकों हेतु सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

सुशासन का एक साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा कोरबा के घण्टाघर स्थित सियान सदन में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान, दिव्यांगजन खिलाड़ियों/ प्रतिभाओं/ कलाकारों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान आने पर 16 दिव्यांग खिलाड़ियों को बधाई एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने जिला प्रशासन द्वारा क्रिकेट किट एवं लोवर, टी-शर्ट इत्यादि का वितरण किया गया। वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करते हुए उन्हें ऑफिस/ब्रिफिंग बैग प्रदान किया गया। साथ ही सियान सदन में म्यूजिक सिस्टम भेंट किया गया। इस दौरान पार्षद श्री नरेंद्र देवांगन, उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती सिनीवाली गोयल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0........../अ- 20(3) /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश लकड़ा आ0 बेन्जामिन लकड़ा उम्र लगभग 48 वर्ष जाति उरांव निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला नवापारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-19 स्थित प्लाट नम्बर 312/326/15 रकबा 143.52 वर्गमीटर भूमि/मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 जलालुद्दीन अंसारी पिता मो0 नौसाद अंसारी जाति जुलाहा निवासी अम्बिकापुर तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम कांतिप्रकाशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 384/2 रकबा 0.014 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 05/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीता गुप्ता पत्नी राजेश प्रसाद गुप्ता जाति हलवाई निवासी जरहागढ़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मेण्ड्राकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 812/8,812/12 रकबा 0.012, 0.004 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 05/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 20/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)
E-mail : eebalrampur-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्रं./29/ले.शा.ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2024
बलरामपुर,दिनांक - 19.12.2024

ऑन लाईन द्वितीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नलकूप खनन कार्य के लिए में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
163135	265.98
163136	44.64
163138	230.64

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विववरण यथा धरोहर राशि, बिड,वैद्यता की तिथि कार्य की अवधि. निविदाकार की श्रेणी. एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 24/12/2024 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 13/01/2025 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किए जावेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत संपर्क में रहें। विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते हैं।

जी0नं0 -242504756/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-बलरामपुर (छ0ग0)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 17.12.2024

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्रं. 01 मनेन्द्रगढ़ एवं स.क्रं. 02,03 अम्बिकापुर संभाग
03. स.क्रं. -01 से 03 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-स.क्र.01-30/12/2024 एवं संभाग क्र.02,03-07/01/2025

स. क्र.	एन.आई. टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	149	मनेन्द्रगढ़ केल्हारी जनकपुर मार्ग के कि.मी. 1,2,3,5,6,7,8,9,10,11,12,13,16,22,23,24,27,28,29,34,35,37,38 = 22.00 कि.मी. एवं नागपुर चिरमिरी मार्ग के कि.मी. 5 से 9 लंबाई 5.00 कि.मी. चैनपुर साजापहाड़ मार्ग के कि.मी. 6 से 12=7.00 कि.मी. बेलबहरा फिश फार्म पहुंच मार्ग लंबाई 1.60 कि.मी. में साधारण मरम्मत का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	68.27
2	150	लोक निर्माण विभाग क्र.1 अम्बिकापुर के अंतर्गत अम्बिकापुर से विश्रामपुर मार्ग के कि.मी. 01 से 04 एवं 07 से 09 कुल 7.00 में बी.टी. पैच मरम्मत एवं साधारण मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	95.04
3	151	लोक निर्माण विभाग क्र. 1 अम्बिकापुर के अंतर्गत अम्बिकापुर से विश्रामपुर मार्ग के कि.मी. 10 से 17 कुल 8.00 कि.मी. में बी.टी. पैच मरम्मत एवं साधारण मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	70.18

जी0नं0 -242504669/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

C M Y K

कोरिया में पुष्पा 3 तो नहीं बनाया जाएगा... यूकेलिप्टस

पेड़ काटते-काटते तस्कर कहीं हसदेव के चंदन ना काटने लगे ?

क्या निजी जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ के साथ-साथ शासकीय जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ भी काट कर ले जा रहे तस्कर ?

क्या सूरजपुर व कोरिया जिले जिले से यूकेलिप्टस का नामोनिशान मिट जाएगा सिर्फ दो तस्करों की वजह से ?

अंतरराज्यीय तस्कर बुलाकर जिले के दो रसूखदार यूकेलिप्टस को जिले से खत्म करने के प्रयास में...उजाड़ना चाहते हैं हरियाली ?

2 महीने से हो रही है यूकेलिप्टस की कटाई व अवैध तस्करी पर प्रशासन मौन,कई अन्य पेड़ों की हो रही कटाई ?

निजी यूकेलिप्टस की कटाई के दौरान शासकीय लगाए गए यूकोलिप्टिस भी काट कर ले जा रहे तस्कर

सूरजपुर से कोरिया तक लगातार 50 ट्रैक्टर ढो रहे हैं यूकेलिप्टस के कटे हुए पेड़ जो ट्रक से जा रहा है दूसरे राज्यों में

यूकेलिप्टस को पानी सूखाने वाला पेड़ बताकर अंधाधुन हो रही कटाई

पेड़ों की कटाई के बाद दुलाई के काम में लगी ट्रैक्टरों को लेकर भी है सवाल बिना नंबर प्लेट साथ ही भार क्षमता से अधिक लकड़ी लेकर लगातार तेज गति से सड़कों पर दौड़ रही ट्रैक्टरों पर कौन करेगा कार्यवाही ?

-विशेष संवाददाता-
कोरिया/सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

नीलगिरी या यूकेलिप्टस के पेड़ पर्यावरण के लिए हानिकारक है क्योंकि यह पेड़ 18-20 गुना वाष्पोत्सर्जन करता हैं इससे सूखा पढ़ने की स्थिति उत्पन्न होती है, साथ ही इसके पत्ते जहरीले होने की वजह से मिट्टी के पोषक तत्व को खींचकर बंजर बना देती है जिस वजह से इस पेड़ को पर्यावरण के हिसाब से हानिकारक माना जाता है यही वजह है कि इस पेड़ की कटाई पर कोई भी रोक नहीं है, पर यदि रोक है तो वह रोक है अपने पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति लेने की,यह अनुमति इसलिए ली जाती है क्योंकि पेड़ को बेचने में आसानी हो सके,पेड़ की कटाई के लिए अनुमति जरूरी नहीं है पर पेड़ को बेचने के लिए अनुमति होती है, इस समय कोरिया से सूरजपुर जिले तक यूकेलिप्टस पेड़ की अंधाधुंध कटाई हो रही है और यह पेड़ दूसरे राज्यों में तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, यदि कहा जाए तो औने पौने रेट में तस्कर इस पेड़ को काटकर अच्छे दामों पर बाहर बेच रहे हैं, निजी जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ तो काटे जा ही रहे हैं, साथ ही शासकीय जमीन पर भी लगे यूकेलिप्टस के पेड़ को काटकर तस्कर बेच दे रहे हैं, पर सवाल यह उठता है कि क्या यूकोलिपिस जो शासकीय जमीन पर लगे हुए हैं जिसे लगाने के लिए शासन ने काफी पैसे खर्च किए हैं उस पेड़ को भी वह फ्री में काट कर ले जा रहे हैं, जबकि वह पेड़ अच्छे दामों पर बाहर बेचे जा रहे हैं क्या उस पेड़ की कटाई का पैसा सरकार के खजाने में नहीं जाना चाहिए? क्या यह नियम विरुद्ध तरीके से तस्करी नहीं माना जाएगा?

यूकेलिप्टस के पेड़ कटवाने के लिए दो जिले के रसूखदार व्यक्ति अपने मुनाफे के लिए हुए लकड़ी माफिया के साथ शामिल

यूकेलिप्टस के पेड़ो की कटाई के लिए सुरजपुर और कोरिया जिले के दो रसूखदार एक साथ अन्य राज्य से आए लकड़ी माफिया के साथ शामिल हुए हैं और उसके साथ मिलकर दोनों जिले के यूकेलिप्टस साथ ही उसकी ही आड़ में अन्य पेड़ों की कटाई और उसकी लड़की को अन्य राज्यों को सप्लाई कर रहे हैं और अपना मुनाफा बना रहे हैं। केवल मुनाफे के लिए नियम कायदों को वह दरकिनार कर रहे हैं और लगातार दोनों जिले से यूकेलिप्टस के पेड़ो की सफाई जारी है।

आपदा में अवसर की तरह यूकेलिप्टस पेड़ की हो रही कटाई ?

यूकेलिप्टस पेड़ की कटाई आपदा में अवसर जैसी हो गई है क्योंकि जब से यह बात पता चली है कि यूकेलिप्टस का पेड़ पर्यावरण के लिए हानिकारक है, पर इस पेड़ की कीमत आज भी है जो इसे दूसरे राज्यों में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है, और कमाई के लिए ही इस समय कोरिया व सूरजपुर जिले में यूकेलिप्टस के पेड़ की कटाई भी तस्करों द्वारा की जा रही है, बस उनके लिए यह बात आसान हो गया है की कटाई में कोई प्रतिबंध नहीं है, पर शायद उन्हें यह नहीं पता है कि बेचने व बाहर ले जाने के लिए अनुमति होनी आवश्यक है, इस लकड़ी की तस्करी में कहीं ना कहीं शासन भी तस्करों के साथ है, क्योंकि जिस प्रकार से इस लकड़ी की कटाई तस्कर अपने मुनाफा के लिए कर रहे हैं और अच्छा खासा मुनाफा पा रहे हैं, यही वजह है कि दूसरे राज्यों से बुलाकर लकड़ी काटने व ढोने वाले ले जाने वाले को लकड़ी माफिया ने टेंडर दे रखा है। पर मुनाफा तस्कर कमा रहे हैं नुकसान जिले का हो रहा है यहां तक की पेड़ लगाकर बड़े करने वाले को भी इसका भारी भरकम नुकसान हो रहा है, निजी जमीनों के पेड़ तो काटे ही जा रहे हैं जो पेड़ सरकारी खर्चे पर लगाए गए थे उन पेड़ों को भी निशुल्क काटकर लकड़ी माफिया अपना जेब भर रहे हैं।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 02 दिसम्बर 2024 | 5

आखिर कब तक लकड़ी माफिया अपनी बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टरों से कोरिया की हरियाली को नेस्तनाबूत करने हरे वृक्षों का अवैध परिवहन करते रहेंगे ?

बिना नम्बर की ट्रैक्टरों पर वह भी बेतरतीब और नियम विरुद्ध बने ट्रैक्टर के ट्रालियों वाले ट्रैक्टरों पर कार्यवाही क्यों नहीं करता परिवहन विभाग,यातायात विभाग ?

लकड़ियों की कटाई क्या नियम से हो रही है ?

प्रकाशित की गई खबर उपरांत भी संज्ञान नही

पर्यावरण के लिए नुकसान पर यूकेलिप्टस का पेड़ तस्करों के लिए मुनाफे वाला

यूकेलिप्टस का पेड़ पर्यावरण खासकर भू जल स्रोत के लिए सही नहीं माना जाता। यूकेलिप्टस का पेड़ भू जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाता है यह सही भी है लेकिन यूकेलिप्टस का पेड़ फिर भी बड़े पैमाने पर लगाया जाता है।कोरिया जिले सहित सूरजपुर जिले में काफी तादाद में यह वृक्ष लगा हुआ था जो अब लकड़ी तस्करों के लिए मुनाफे का कारण बन रहा है। अब लकड़ी तस्कर जो बाहरी हैं वह खुलेआम इसको काट रहे हैं और अन्य राज्यों को भेज रहे हैं।

3 महीने में लगभग कोरिया व सूरजपुर जिले में लाखों की संख्या में काटे गए होंगे यूकेलिप्टस के पेड़

3 से 4 महीने हुए जबसे कोरिया जिले सूरजपुर जिले में यूकेलिप्टस के पेड़ की कटाई जारी है और उनका जिले से बाहर अन्य राज्यों को भी भेजा जाना जारी है। दोनों जिलों से लाखों पेड़ इस दौरान काटे जा चुके हैं। तस्कर निश्चिंत और बेफिक्र है क्योंकि उसे मिला संरक्षण काफी पहुंचा संरक्षण है। संरक्षण देने वाला उन्हें हर जायज गैरजायज की अनुमति दे रहा है जिसके बाद वह निडर होकर बेफिक्र होकर लकड़ी की कटाई बड़े स्तर ओर कर रहे हैं उन्हें बिना नियम कायदों का सड़क नियमों के वाहन नियमों के पालन के किए बिना बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टरों के ढोकर एक जगह इक्कठा करके अन्य राज्यों को भेज रहे हैं।

बिना नंबर प्लेट बिना नियम कायदों की डाला बॉडी वाली ट्रैक्टरों से हो रहा लकड़ियों का परिवहन,कौन करेगा कार्यवाही ?

लकड़ियों का परिवहन जिन ट्रैक्टरों से हो रहा है वह अन्य राज्यों की ट्रेक्टर हैं। ट्रैक्टरों में न तो इंजन का नम्बर है न ही डाला बॉडी का नंबर है। डाला बॉडी का बनावट भी नियम कायदों के विपरीत है जो शायद परिवहन और यातायात विभाग के लिए कार्यवाही का कारण बनना चाहिए। क्षेत्र के जिले के वाहनों पर कार्यवाही करने वाले यातयात विभाग परिवहन विभाग के कर्मचारियों की निगाह इन ट्रैक्टरों पर क्यों नहीं पड़ रही है यह भी सवाल है। इन ट्रैक्टरों पर कौन कार्यवाही करेगा ओवरलोड पर कौन एक्शन लेगा और कौन इनके कागज की जांच करेगा यह भी प्रश्न है। इन ट्रैक्टरों की गति और भार ढोने की क्षमता कितनी होनी चाहिए और कितनी ढोकर यह ला ले जा रहे हैं इसकी जांच कौन करेगा यह भी देखने वाली बात होगी।

डॉक्टर के बाद अब लेखपाल नशे की हालत में मितानिनों से की मारपीट,मामला पहुंचा एफआईआर तक

-शमरोज खान-
सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला सूरजपुर का स्वास्थ्य विभाग इस समय सुर्खियों में है कभी डॉक्टर नशे में मिल रहे हैं तो कभी बाबू,ऐसा लग रहा है कि नशे में काम करने की विभागीय अनुमति मिल गई हो, शासकीय कर्मचारी इस समय दारू के नशे में अपने आप को पावरफुल समझने लगे हैं, यही वजह है कि कार्यस्थल पर भी वह दारू के नशे में पहुंच जाते हैं, ऐसा लग रहा है कि उन्हें सरकारी कर्मचारी होने के नियम कायदे का पाठ नहीं पढ़ाया जाता है, डॉक्टर के बाद अब बाबू ने नशे में मितानिनों के साथ मारपीट कर बवाल मचा दिया है यह बवाल एफआईआर तक पहुंच गया है।

ज्ञात हो की स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर का नशे में ड्यूटी करने का मामला अभी थमा ही नहीं था, की अब लेखापाल का नशे की हालत में मितानिनों से मारपीट करने मामला सामने आया है, वही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कार्रवाई करने की बात कर रहे है, दरअसल सूरजपुर का स्वास्थ्य विभाग इन दिनों अपने कर्मचारीयों की वजह से सुर्खियों में हैं, बीते दिनों गर्भवती महिलाओं और बच्चों के अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नशे की हालत में धुत मिले थे, जिसपर अब तक कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई है, वही सीएमएचओ कार्यालय के आवक जावक में पदस्थ लिपिक वाईजे लकड़ा का नशे की हालत में मितानिन महिलाओं से मारपीट करने की बात सामने आई है, बता दें कि पिछले कई दिनों से अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर थी, जहां प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर आज हड़ताल समाप्त कर दिया गया और काम पर लौटने का ज्ञापन देने सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे हुए थे, ज्ञापन देकर महिलाएं आवक जावक में पदस्थ लिपिक के साथ फ़ोटो लेना चाह रही थी, की इतने में लिपिक भड़क गया और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा, मितानिनों ने जब इस बात को लेकर आपत्ति की तो नशे में धुत लिपिक वाईजे लकड़ा ने महिलाओं के साथ मारपीट कर दी, जिससे एक महिला के हाथ में गंभीर चोट आई, तो कुछ और महिलाओं के साथ भी मारपीट करने का आरोप है, घटना के बाद सीएमएचओ कार्यालय में मितानिनों ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस भी पहुंची, वहीं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी के समझाइश के बाद महिलाएं मानी, और लिपिक पर कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत स्वास्थ्य विभाग और कोतवाली थाने में दी है, वही इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग ने लिपिक को कारण बताओं नोटिश जारी कर दिया है, और विभागीय कार्रवाई की बात कह रही है, तो कोतवाली पुलिस शिकायत मिलने के बाद सीसीटीवी के आधार पर जांच कर कार्रवाई करने की बात कर रहे है साथ की मामले एफआईआर कर लिया गया है।

कोरिया जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने अपने जन्मदिन पर न्योता भोजन कार्यक्रम का किया आयोजन

न्योता भोजन के साथ बच्चों में किया गर्म वस्त्र का वितरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर 20 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला बुढार में न्योता भोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी ने बच्चों साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया और इसके साथ ही बच्चों को गर्म कपड़े भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम की सबसे अनोखी बात रही कि इस पूरे कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी को जन्मदिन की बधाई देने भूतपूर्व सैनिक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर रजीत सिंह बिष्ट जिला सैनिक कल्याण संयोजक सुरेश कुमार सोनी,भूतपूर्व सैनिक डमरूधर मिश्रा,भूतपूर्व सैनिक नायक अशोक कुमार और साथ ही नायक स्वर्गीय नन्हूराम राम राजवाड़े की श्रीमती लीलावती राजवाड़े की इस पूरे कार्यक्रम में उपस्थित थे और इस कार्यक्रम में विनय मोहन भट्ट एमआईसी प्रशासक जिला शिक्षा कार्यालय, डॉक्टर इरशाद खान, एबीपी फेलो नीति आयोग भारत सरकार एवं जन प्रतिनिधि कांतानाथ तिवारी की भी गरिमामय उपस्थित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया साथ ही बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन संकुल प्राचार्य श्रीमती रविंद्र कौर के द्वारा किया गया और अपने आशीर्वचन में आदरणीय जिला शिक्षा अधिकारी जी ने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ बौद्धिक विकास और अपने सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाकर देश की सेवा में अपने आप को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में कमांडर रंजीत सिंह बिष्ट ने बताया कि बच्चों में प्रारंभिक स्तर से ही शिक्षा के साथ-साथ देश सेवा की भावना भी होनी चाहिए भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम आए हुए सभी सम्मानीय अतिथियों को पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला बुढार की प्रधान पाठिका श्रीमती जया मिश्रा व शिक्षिका निवेदिता कुजूर के द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में संकुल केंद्र बुडार के सीएसी संदीप पैकरा, वर्मा दास महंत, पृष्का मैम, ईडित बेक, गोशवामी सिंह, सरोज बेक, आशा सिंह, सुमन नायक, आराधना सिंह, सरिता भगत एवम सभी शिक्षक साथियों एवं ग्रामीणजनों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

भारत ने वेस्टइंडीज को 60 रन से हराकर टी 20 जीती

रिचा और स्मृति ने ठोका अर्धशतक

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। रिचा घोष (54) ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18 गेंद में सबसे तेज अर्धशतक के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (77) ने भी अर्धशतक जड़ा जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां तीसरे और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 60 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।

भारतीय महिला टीम ने अक्टूबर 2019 के बाद घरेलू सरजमीं पर पहली टी 20 अंतराष्ट्रीय श्रृंखला जीती है। भारत के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम नौ विकेट पर 157 रन ही बना सकी। चिनेल हेनरी 16 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से 43 रन बनाकर टीम की शीर्ष स्कोरर रहीं जबकि डिएंड्रा डोटिन (25) और कप्तान हेली मैथ्यूज (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

मेजबान टीम की तरफ से स्पिनर राधा यादव ने 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। भारत ने इससे पहले रिचा और स्मृति की पारियों से चार विकेट पर 217 रन बनाए जो इस प्रारूप में टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इस प्रारूप में इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ स्कोर पांच विकेट पर 201 रन था जो उसने इसी साल एशिया कप में यूएई के खिलाफ बनाया था।

इक्कीस साल की रिचा ने 21 गेंद की अपनी पारी में पांच छक्के और तीन चौके मारे जबकि स्मृति ने47 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके और एक छक्का जड़ा। रिचा ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन और ऑस्ट्रेलिया की फोएबे लिचफील्ड के सबसे तेज अर्धशतक अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। स्मृति ने श्रृंखला का लगातार तीसरा और साल का आठवां अर्धशतक जड़ते हुए इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप की सबसे सफल बल्लेबाज बनी। उनके नाम इस साल 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 763 रन दर्ज हैं।

स्मृति ने सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को पीछे छोड़ा। लक्ष्य का पीछा करने उतरे वेस्टइंडीज ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कोई बड़ी साझेदारी नहीं कर पाई। डोटिन और मैथ्यूज ने अच्छी शुरुआत के बाद अपने विकेट गंवाए। मैथ्यूज को स्पिनर राधा यादव ने सजीवन सजना के हाथों कैच कराया जबकि डोटिन ने टिटास साधु की गेंद पर राधा को कैच थमाया। हेनरी ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए वेस्टइंडीज की उम्मीद जगाई। उन्होंने 14वें ओवर में दीप्ति शर्मा की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे।

सैम कोनस्टास ऑस्ट्रेलिया की टीम में हुए शामिल

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा मुकाबला मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाना है।ऐसे में शेष 2 टेस्ट मैचों के लिए कंगारू टीम का ऐलान कर दिया गया है। ओपनिंग बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी टीम से बाहर हैं और उनकी जगह युवा सैम कोनस्टास को शामिल किया गया है। यह पहला मौका है जब उन्हें टीम के साथ जोड़ा गया है।

मेलबर्न में किसी भारतीय बल्लेबाज के नाम हैं... सबसे ज्यादा टेस्ट रन

मेलबर्न,20 दिसंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। दोनों टीमें 26 दिसंबर से आमने-सामने होंगी। इस समय 5 टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। लिहाजा, दोनों टीमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट जीतकर सीरीज में बढ़त बनाना चाहेगी, लेकिन क्या आप जानते हैं अब तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन किस बल्लेबाज ने बनाए हैं? विराट कोहली इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली हैं।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर कैसा है भारत और ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन?

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। फिलहाल 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 1-1 से बराबरी पर है।अब सीरीज का चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज में फिर से बढ़त बनाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इस मैदान पर 14 मुकाबले खेले हैं। उसे 4 मैच में जीत मिली है और उसने 8 में हार झेली है। इसके अलावा 2 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।भारतीय टीम का सर्वोच्च स्कोर 465 रन और सबसे कम स्कोर 67 रन रहा है।यहां पर भारत ने अपना आखिरी टेस्ट दिसंबर 2020 में खेला था, जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया था। साल 2018 में भी भारतीय टीम को 137 रन से जीत मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर 116 मुकाबले खेले हैं। उसे 67 मैच में जीत मिली है और उसने 32 में हार झेली है। इसके अलावा 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।मेलबर्न के मैदान पर उनका सर्वोच्च स्कोर 624 रन और सबसे कम स्कोर 83 रन रहा है।यहां पर कंगारू टीम ने अपना आखिरी टेस्ट दिसंबर 2023 में खेला था, जिसमें उसने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 79 रन से हराया था। यहां ऑस्ट्रेलिया ने अपने पिछले 3 टेस्ट जीते हैं।सचिन तेंदुलकर मेलबर्न में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने 5 टेस्ट में 449 रन बनाए थे। अजिंक्य रहाणे ने 6 पारियों में 369 रन बनाए थे।विराट कोहली ने यहां 6 पारियों में 316 रन और ऋषभ पंत ने 3 पारियों में 101 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने 2 टेस्ट में 15 विकेट और कपिल देव ने भी 3 टेस्ट में 15 विकेट लिए थे। रविंद्र जडेजा ने 2 टेस्ट में 8 विकेट चटकाए हैं।डॉन ब्रेडमैन ने यहां 11 टेस्ट में 128.53 की औसत से 1,671 रन बनाए थे। स्टीव स्मिथ के बल्ले से इस मैदान पर 11 टेस्ट में 1,093 रन (औसत-78.07) निकले हैं।उस्मान ख्वाजा ने यहां 6 टेस्ट की 10 पारियों में 422 रन बनाए हैं।डेनिस लिली ने यहां 14 टेस्ट में सर्वाधिक 82 विकेट लिए थे। नाथन लियोन ने 13 टेस्ट में 45 और पैट कमिंस ने 7 टेस्ट में 35 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में हराया

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में लिटन दास की टीम को 80 रन से जीत मिली है। इसी के साथ 3 मैचों की टी-20 सीरीज में उसने कैरिबियाई टीम पर क्लीन स्वीप कर दिया है। यह पहला मौका है जब बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ किसी टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप किया है।बांग्लादेश ने 189/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में वेस्टइंडीज 109 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। एक समय टीम के 3 बल्लेबाज 65 रन पर पवेलियन में थे।जेकर अली ने अकेले पारी संभाली और उन्होंने 41 गेंदों का सामना करते हुए 72 रन बनाए। मेंहदी हसन मिराज ने उनका अच्छा साथ निभाया और 29 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने 2 विकेट लिए।जवाब में वेस्टइंडीज के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। रिशाद हुसैन ने 3 विकेट झटके।

टीम इंडिया में कौन होगा आर अश्विन का रिप्लेसमेंट?

ये चार खिलाड़ी हो सकते हैं बेस्ट ऑप्शन

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उनके बाद टीम इंडिया में एक बड़ी जगह खाली हो गई है। उनकी जगह भर पाना और उतने मैचों में टीम इंडिया को जीत दिला पाना आसान नहीं होगा। उनके स्थान पर भारतीय कंडीशंस में खेलते वाले खिलाड़ी को मुश्किल होगी। हालांकि, टीम इंडिया में प्रतिभाशाली खिलाडियों की कमी नहीं है लेकिन रेगुलर टीम में शामिल करने से उनको अपना कौशल दिखाने का मौका मिल पाएगा। चार खिलाड़ी अश्विन की जगह रेगुलर स्पिनर बनने की दौड़ में हैं।

वॉशिंगटन सुंदर

सभी विकल्पों में वॉशिंगटन सुंदर का पलड़ा भारी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं और बैटिंग करने का भी अच्छी स्किल है। वह बतौर ऑलराउंडर टीम में खेल सकते हैं और अश्विन का स्थान ले सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया के साथ वह मौजूद हैं। टेस्ट में उनके नाम 24 विकेट दर्ज हैं।

कुलदीप यादव

चायनामैन कुलदीप यादव ने इंडियन टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में प्रतिनिधित्व किया है। 13 टेस्ट मैचों में उनके नाम 56 विकेट है। उनका एक निगेटिव पॉइंट बैटिंग है। अश्विन ने जिस तरह से कई बार शतक जड़कर टीम को सहारा दिया था, वह कौशल कुलदी में ना के बराबर है।

अक्षर पटेल

अक्षर पटेल में स्पिन और बैटिंग की काबिलियत है। हालांकि, जडेजा के रूप में लेफ्ट आर्म स्पिनर पहले ही टीम में मौजूद हैं। अक्षर ने 14 मैचों में 55 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके अलावा 646 रन भी बनाए हैं वह प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के दावेदा हैं।

तनुश कोटियन

घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलने वाले इस ऑफ स्पिनर ने काफी प्रभावित किया है। उनको गेंदबाजी ऑलराउंडर माना जाता है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 33 मैच खेलकर उन्होंने 101 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके अलावा बल्ले से भी देते हुए 1500 से ज्यादा रन बनाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने शेष 2 टेस्ट के लिए घोषित की टीम

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से खेला जाना है।ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को शेष 2 टेस्ट मैचों के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इसमें पिछले महीने टेस्ट डेब्यू करने वाले नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह युवा सैम कोनस्टास को शामिल किया गया है। कोनस्टास का घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की टीमः
पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड (उपकप्तान), स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिश, उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, झए रिचर्डसन, मिचेल स्टार्क और बाउ वेबस्टर।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मैकस्वीनी की जगह युवा सनसनी कोनस्टास और रिजर्व खिलाड़ी जोश इंग्लिश को भी टीम में जगह दी है।इसी तरह चोट से जूझ रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को बुलाया है। बोलैंड का दूसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन था।बता दें कि मैकस्वीनी का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। वह 3 टेस्ट की 6 पारियों में 14.4 की औसत से केवल 72 रन बना पाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 39 रन रहा है।

टीम चयन में बड़ी बात यह रही है कि चोट (ग्रोइन इंजरी) से जूझ रहे ट्रेविस हेड को भी टीम में शामिल किया गया है। कहा जा रहा है क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उनके 5वें टेस्ट तक फिट होने की उम्मीद है।

मैकस्वीनी ने ऑस्ट्रेलिया-ए की ओर से इंडिया-ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में 39 और 88 रन के स्कोर किए थे।उनका घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड 2024-25 में भी दमदार प्रदर्शन रहा था। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हुए उन्होंने 2 मैचों की 4 पारियों में 97.00 की औसत के साथ 291 रन बनाए थे, जिसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल थे।हालांकि, भारत के खिलाफ तीनों टेस्ट में वह लगातार संघर्ष करते नजर आए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 टेस्ट मैचों की यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी। इसके बाद एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया था।इसी तरह ब्रिसबेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ है।

मोहम्मद शमी अभी भी नहीं हैं फिट

बंगाल के लिए नहीं खेलेंगे पहला मैच

नईदिल्ली,20 दिसंबर 2024। भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज मोहम्म शमी की फिटनेस अभी भी चर्चा में है। गाबा टेस्ट के बाद रोहित शर्मा ने शमी की फिटनेस पर अपडेट मांगा था। वहीं अब खबर ये है कि शमी बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के पहले मैच में नहीं खेलेंगे उन्हें आराम दिया गया है। बंगाल क्रिकेट संघ ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

फिल्म गेम चेंजर की नया सिंगल धोप का प्रोमो आउट

राम चरण की मोस्ट अवेटेड पैन इंडिया मूवी गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए कमर कस ली है। मेकर्स ने फिल्म का नेक्स्ट सिंगल धोप सॉन्ग का प्रोमो लॉन्च किया है, जो काफी धमाकेदार है। धोप के इलेक्ट्रिकल बीट ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। इसका पूरा गाना इसी हफ्ते में रिलीज होगा। इस फिल्म में राम चरण के अपोजिट कियारा आडवाणी लीड एक्ट्रेस के तौर नजर आने वाली हैं।गेम चेंजर के मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए धोप का प्रोमो लॉन्च किया। गाने का पोस्टर के साथ प्रोमो साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, उनकी एनर्जी का भरपूर आनंद लिया जा सकता है। ग्लोबल स्टार राम चरण और कियारा आडवाणी धोप के लिए अपने सबसे शानदार अवतार मेंद्ध। 22 दिसंबर को एक शानदार धुन के साथ मिलते हैं।धोप का प्रोमो से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसका पूरा गाना इलेक्ट्रिकल बीट पर बेस्ड होगा। इस गाने में राम चरण और किराया दोनों नए अवतार में नजर आ सकते हैं। फिलहाल फैंस को पूरा गाने का आनंद लेने के लिए 22 दिसंबर तक का इंतजार करना होगा.फिल्म मेकर एस शंकर की निर्देशित, उनकी तेलुगु निर्देशन की पहली फिल्म, गेम चेंजर एक एंटरटेनिंग कहानी का वादा करती है। इस फिल्म में राम चरण ट्रिपल रोल निभाने वाले हैं। उनकी तीन भूमिकाओं की खबर ने फैंस के उत्साह में भारी हलचल मचा दी है।

रोहित शेट्टी और अजय देवगन की एक्शन फिल्म सिंघम अगेन कब और कहाँ देखें

अजय देवगन, करीना कपूर, अर्जुन कपूर और टाइगर श्रॉफ अभिनीत सिंघम अगेन अब ओटीटी पर उपलब्ध है। धमाकेदार एक्शन और दमदार कहानी ने देशभर के दर्शकों को आकर्षित किया है। दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई सिंघम अगेन प्राइम वीडियो पर किराए पर उपलब्ध है। अजय देवगन ने बाजीराव सिंघम के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका को फिर से निभाया है, जबकि रणवीर सिंह ने अपनी ख़ास ऊर्जा और हास्यपूर्ण अंदाज़ को जोड़ा है। खलनायक के रूप में अर्जुन कपूर के चित्रण की गहराई के लिए प्रशंसा की गई है। फिल्म ने भारत में 297 करोड़ रुपये की कमाई की है।सिंघम अगेन की समीक्षा में लिखा है, हमें यह बताना ज़रूरी है कि रोहित शेट्टी ने कितनी खूबसूरती से एक पौराणिक कहानी को समकालीन सेटिंग में शामिल किया है। दूसरे फिल्ममेकर (अगर आपको पता है, तो आप जानते हैं) उनकी इस सोच से सीख सकते हैं कि कैसे आप इन कहानियों को आधुनिक मोड़ के साथ बिना उन्हें भयावह बनाए बता सकते हैं। चाहे वह हर किरदार के लिए बैकग्राउंड स्कोर हो या महाकाव्य कथा के संदर्भ, यह एक ही समय में आकर्षक और मनोरंजक है। सिंघम अगेन में अक्षय कुमार, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, श्वेता तिवारी और दयानंद शेट्टी भी हैं। यह सिंघम फ़्रैंचाइज़ की तीसरी और शेट्टी की कॉप-वर्स की पाँचवीं फिल्म है।

दीपिका ने शुरू की शूटिंग

जल्द ही साझा करेंगी क्या नया कर रही हैं?

दीपिका कक्कड़ टीवी सीरियल ससुराल सिमर का' के जरिए दर्शकों के बीच मशहूर हुई थी। इसके अलावा भी उन्होंने कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया। टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी के बाद वह अपनी फैमिली लाइफ में व्यस्त हो गई। उनका एक छोटा बेटा भी है, जिसकी परवरिश में वह अपना पूरा समय देती हैं। लेकिन टीवी सीरियल में काम ना करने के बावजूद भी वह लाइमलाइट में बनी रहती हैं। दीपिका टीवी सीरियल में एक्टिव ना होने के बावजूद भी, दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए हुए हैं। दरअसल, वह अपना एक व्लॉग चैनल यूट्यूब पर चलाती हैं। इस चैनल का नाम दीपिका की दुनिया' है। इसमें वह अपने हर दिन का हाल दर्शकों के साथ साझा करती हैं। उनके इस चैनल पर लगभग 3 मिलियन फॉलोअर हैं।हाल ही में अपने व्लॉगिंग चैनल पर ही दीपिका कक्कड़ ने बताया कि वह जल्द ही एक दर्शकों को एक खास प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसी व्लॉग में वह शूटिंग वाली जगह पर भी नजर आईं। शूटिंग पर उनका बेटा भी साथ में मौजूद था। दीपिका ने कहा कि वह जल्द ही बताएंगी कि किस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हैं। दीपिका के यूट्यूब चैनल पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है लेकिन उन्हें अकसर ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ता है। अकसर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका कक्कड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को उनके रहन-सहन और पहनावे को लेकर ट्रोल कर देते हैं। कई यूजर्स तो दीपिका को इसलिए भी ट्रोल करते हैं कि उन्होंने परिवार की देखभाल के लिए करियर से ब्रेक ले लिया है। इस ट्रोलिंग पर दीपिका भी चुप नहीं रहती हैं, वह बुरी बातें बोलने वाले लोगों को अपने व्लॉगिंग चैनल के जरिए ही मुंहतोड़ जवाब देती हैं।

विधानसभा में गूंजा सड़क निर्माण में गड़बड़ी का मामला

» डिप्टी सीएम ने 5 लोगों को निलंबित करने की घोषणा की

रायपुर,20 दिसंबर 2024 (ए)। दंतेवाड़ा जिले में डीएमएफ मद से सड़क निर्माण के मुद्दे पर तीखी बहस के बाद डिप्टी सीएम ने सड़क निर्माण में गड़बड़ी के मामले में 5 लोगों को निलंबित करने की सदन में घोषणा भी कर दी. उन्होंने इस मामले में संबंधित ठेकेदार से वसूली करने के साथ उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का भी ऐलान किया। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान भाजपा सदस्य अजय चंद्राकर ने जिला निर्माण समिति दंतेवाड़ा के तहत डीएमएफ मद से स्वीकृत सड़कों का मामला उठाते हुए सवाल दागे। उन्होंने पूछा कि क्या इस सड़क के निर्माण में अनियमितता की शिकायत मिली थी। इसमें किस तरह की गड़बडिय़ां पाई गई और जो दोषी पाए गए उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई.सवालों के बीच उन्होंने इसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने माप पुस्तिका में दर्ज कार्यों के तहत भुगतान को लेकर सवाल दागे। उन्होंने पूछा कि क्या ठेकेदार को अधिक भुगतान किया गया है। इस पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि यह कार्य पीएम ग्राम सड़क के तहत डीएमएफ में स्वीकृत ही नहीं है। बल्कि जिला निर्माण समिति समिति के विशेष केन्द्रीय सहायता मद में स्वीकृत है। उप मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि इस मामले में शिकायत मिली थी। दंतेवाड़ा कलेक्टर द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम गठित कर प्रथम स्तरीय जांच कराई गई। इसके भीतिक सत्यापन में अर्थवर्क, जीएसबी डामरीकरण कार्य, डब्लूबीएम और सोल्डर कार्य, रिटनिंग वॉल में अनियमितता का उल्लेख है। डिप्टी सीएम ने जांच रिपोर्ट में ठेकेदार से 2 करोड़ की वसूली का जिक्र किया. तब चंद्राकर ने पूछा कि जब भुगतान ज्यादा नहीं हुआ तो जांच समिति किस बात की वसूली कर रही है। इस पर डिप्टी सीएम एक द्वारा माप पुस्तिका के आधार पर कम भुगतान और वसूली के आदेश होने की बात कही। इस पर चंद्राकर बिफर पड़े।. उन्होंने डिप्टी सीएम पर का आरोप लगाए कि आप भ्रष्टाचार को छिपा रहे हैं। भ्रष्टाचार को उजागर क्यों नहीं कर रहे, संरक्षण क्यों दे रहे हैं। इस बात इस पर सदन में विपक्ष ने भी हंगामा शुरू कर दिया। इसी बीच दोनों में तीखे लहजे में बहस और टकराव की स्थिति बन गई।

टकराव पर आसंदी की समझाइश

सदन में डिप्टी सीएम और भाजपा सदस्य के बीच टकराव और तौखे लहजे में बहस के दौरान आसंदी ने मामला संभाला। उन्होंने समझाइश देते हुए कहा कि इतनी ऊंची आवाज में न बोलें। माइक लगा है इसलिए सब धीरे बोलने से भी सुन लेते हैं. इसलिए टोन नीचे करें. आरोप-प्रत्यारोप की जरूरत नहीं है। संसदीय तरीके से समझाने का प्रयास करें।

कांग्रेस का जिलाध्यक्ष है ठेकेदार

सदन में बहस के दौरान विपक्ष के सदस्य टोकाटाकी करते रहे। डिप्टी सीएम की घोषणा के बाद अजय चंद्राकर ने कहा कि वो ठेकेदार जिला कांग्रेस अध्यक्ष है, उसका कारनामा है। क्या ठेकेदार के पूरे काम की जांच कराई जाएगी। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा कि नि:संदेह जांच कराई जाएगी।

वन अधिकार पट्टा मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन वन अधिकारी पट्टा वितरण के मुद्दे पर सरकार को घेरने का प्रयास किया गया। मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि अधिकार पत्र के दुरुपयोग की शिकायत नहीं आई है। वहीं लंबित प्रकरणों का अतिशीघ्र निवारण करने का भरोसा दिलाया। विधायक अम्बिका मरकाम ने प्रश्नकाल में विधानसभा क्षेत्र सिहावा में वन अधिकारी पट्टा वितरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि वर्ष 2021-22 से जिन 2024 तक कितने पट्टे वितरित किए गए है? इसका रकबा भी बताए? कितने को पट्टा वितरित की जाना प्रक्रियाधीन है? कितने अपात्र होने के कारण अस्वीकृत है? पट्टा वितरण का लक्ष्य कब तक पूरा किया जाएगा?इस पर मंत्री राम विचार नेता ने बताया कि अब तक 519 सामुदायिक वन अधिकार पर वितरित किए जा चुके है. अब तक कोई भी प्रक्रियाधीन वन अधिकार पत्र दिए जाने के लिए नहीं है। अपात्र कारण कोई भी प्रकरण अस्वीकृत नहीं है.

इसमें अलग से कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है, और समय सीमा बताया जाना संभव नहीं है. इस पर विधायक मरकाम ने सवाल किया कि 519 पत्रों के दुरुपयोग की कितनी शिकायत प्राप्त हुई है, और उनमें क्या कार्यवाही हुई है? मंत्री ने बताया कि वन अधिकार के संबंध में पूरी जानकारी दे दी है. दुरुपयोग के बारे में इसकी शिकायत नहीं आई है, शिकायत देंगे तो उसे दिखावा लेंगे. इसके साथ ही अम्बिका मरकाम ने सवाल किया कि लंबित प्रकरण का निराकरण कब तक होगा? इस पर मंत्री ने अतिशीघ्र निराकरण करने की बात कही।

बृहस्पत सिंह ने मांगी माफी,टीएस सिंहदेव पर लगाया था गंभीर आरोप

विधानसभा चुनाव 2023 में मिली हार के बाद से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी बिखरी हुई है। पार्टी के ही नेता अपने वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साध रहे हैं। लेकिन इस बीच पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं पार्टी से निष्कासित होने के बाद अब बृहस्पत सिंह कांग्रेस में वापसी के लिए पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव सहित सभी नेताओं से माफी मांग रहे हैं। पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार जाने के बाद विचलित हो गया था। जाने-अनजाने में मेरे से गलती हुई है इसलिए तत्कालीन प्रभारी के खिलाफ बयान दे दिया था। उन्होंने टीएस सिंहदेव को लेकर कहा कि सिंहदेव सरगुजा के महाराजा है और हम प्रजा हैं। टीएस सिंहदेव को हमें डांटने फटकारने का अधिकार है। मैं सभी अपने बड़े नेताओं से क्षमा मांगता हूं। साथ ही पार्टी में वापसी के लिए आवेदन दे रहा हूं।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना में राशि कम करने पर विपक्ष-विपक्ष में नोंक-झोंक

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक मोतीलाल साहू ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना की राशि में कमी का मामला उठाया। मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि राशि कम और ज़्यादा दी गई है. पिछली सरकार ने किसानों को छलने का काम किया। इसके साथ ही सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच नोक-झोंक शुरू हो गई।
भाजपा विधायक मोतीलाल साहू ने सवाल किया कि 2020-21 के मुक़ाबले 2021-22 में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को राशि कम क्यों दी गई? इस कमी का क्या कारण है? जबकि राशि बढ़नी चाहिए थी। इस पर मंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि राशि कम और ज़्यादा दी गई है। राशि में कमी होने का प्रमुख कारण था कि सरकार ने किसानों के मेड़ का रकबा काटा और राशि घटाई। विष्णुदेव सरकार किसान हितैषी है। किसानों के बारे में बोलने का इनका मुँह नहीं है। विधायक साहू ने कहा कि किसानों की संख्या बढ़ी थी फिर भी रक़बा काटकर राशि कम दी गई थी। अटल श्रीवास्तव ने सवाल किया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की आखिऱी किश्त कब देंगे?

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने लाया स्थगन प्रस्ताव

कार्यवाही 5 मिनिट्स के लिए स्थगित

विधानसभा में आज विपक्ष ने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर स्थगन प्रस्ताव लाया । चर्चा के दौरान विपक्ष ने कांग्रेस विधायक उत्तरी जांगड़े पर हुए एफ आई आर का जिक्र किया जिस पर सत्ता पक्ष के लोगों ने आपत्ति जताई, इससे विपक्ष खड़े होकर नारेबाजी करने लगे। इसके जवाब में सत्ता पक्ष की ओर से भी नारेबाजी होने लगी। लगातार हंगामा को देखते हुए स्पीकर डॉ

रमन सिंह ने सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित करने की घोषणा की।शून्यकाल में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने स्थगन प्रस्ताव पर कहा कि प्रदेश में लगातार चोरी, लूट, हत्या, बलात्कार,अपहरण जैसी घटनाएं हो रही हैं। इसे रोकने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। विपक्ष के उमेश पटेल ने चर्चा के दौरान बताया कि सारंगढ़ विधायक पर मात्र भाषण पर एफ आई आर दर्ज कर लिया गया। इस पर भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने आपत्ति जताई जिसका विपक्ष के विधायक विरोध करते हुए खड़े होकर नारेबाजी करने लगे ।सत्ता पक्ष की ओर से भी जवाबी नारेबाजी होने लगी। इस दौरान स्पीकर डॉ रमन सिंह पक्ष विपक्ष को शांत करने की समझाइश देते रहे परन्तु सदन में दोनों ओर से हंगामा जारी रहा, जिसे देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी।

आश्रम छात्रावासों में बच्चों की मौत से गरमाया सदन,आंकड़े छिपाने के लगे आरोप

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीत सत्र के आखिरी दिन प्रश्नकाल के दौरान आश्रम और छात्रावासों में बच्चों की मौत का मामला जोर-शोर से उठा। इस मुद्दे को विधायक लखेश्वर बघेल ने गंभीरता से सदन में उठाया।

11 बच्चों की मौत, कारणों में भिन्नता

मामले पर जवाब देते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बीते 12 महीनों में आश्रम और छात्रावासों में 11 बच्चों की मौत हुई है। इनमें सड़क दुर्घटनाएं, बुखार, सिकल सेल बीमारी और मलेरिया जैसे कारण शामिल हैं। कुछ मौतों के कारण अब तक अज्ञात हैं। मंत्री ने बताया कि इस मामले में विभागीय जांच भी की जा रही है।

अधिक मौतों के आरोप

विधायक लखेश्वर बघेल ने इस जानकारी पर आपत्ति जताई और कहा, अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी सही नहीं है। असल में 25-30 बच्चों की मौत आश्रम और छात्रावासों में हुई है। उन्होंने प्रशासन पर आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया।इस पर मंत्री नेताम ने जवाब दिया, अधिकारियों को आपने ही नियुक्त किया है, और वे अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। हमने सभी कलेक्टरों को छात्रावासों और आश्रमों के रख-रखाव में सुधार के निर्देश दिए हैं। दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। विधायकों ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, अगर छात्रावासों में भी बच्चे सुरक्षित नहीं रहेंगे, तो इसे सुशासन कैसे कहा जा सकता है? मंत्री रामविचार नेताम ने सदन को आश्वस्त किया कि विस्तृत जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, हम किसी भी दोषी को बचाने वाले नहीं हैं।

विधायक उत्तरी जांगड़े के भाषण पर विपक्ष-विपक्ष में तीखी तकरार

छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ से कांग्रेस विधायक उत्तरी जांगड़े पर भड़काऊ भाषण के मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर विधानसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ। खरसिया से कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने जांगड़े के बयान को स्लीप ऑफ टंग बताया, जबकि विपक्षी विधायकों ने इसे प्रदेश में अशांति फैलाने की साजिश बताया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और नारेबाजी शुरू हो गई,जिससे सदन की कार्यवाही को 5 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही उमेश पटेल ने आरोप लगाया कि विधायकों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की जा रही है। इस बयान के बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच फिर जोरदार हंगामा शुरू हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान सदन में जय सतनाम और जय भीम के नारे भी गूंजे। कांग्रेस विधायक उत्तरी जांगड़े और नगर पालिका अध्यक्ष अजय बंजारे पर भड़काऊ भाषण देने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया। भाजपा नेताओं ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके आधार पर बीएनएस की धारा 56, 351(1)(b), 352, और 296 के तहत मामला दर्ज किया गया। यह मामला 12 दिसंबर को आयोजित धरना-प्रदर्शन और कलेक्ट्रेट घेराव का है, जहां उत्तरी जांगड़े पर कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया गया।

विधानसभा में रोने लगी कांग्रेस की महिला विधायक, जबरन एफआईआर दर्ज करने का लगाया आरोप

बलौदाबाजार हिंसा मामले में सारंगढ़ की कांग्रेस उत्तरी जांगड़े और नगर पालिका अध्यक्ष के पति अजय बंजारे पर एफआईआर दर्ज किया गया है। दरअसल,दोनों ने भड़काउ भाषण दिए थे। बीजेपी ने एसपी से इस मामले की शिकायत थी, जिसके बाद सिटी कोतवाली थाने में कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, एफआईआर होने पर कांग्रेस विधायक उत्तरी जांगड़े रो पड़ी। कांग्रेस की महिला विधायकों ने उत्तरी जांगड़े के आंसू पोछे। उत्तरी जांगड़े ने कहा कि, मैं दलित विधायक हूं इसलिए परेशान कर रहे हैं। पहले मेरे पति और फिर मुझ पर एफआईआर की गई है।
इस दौरान कांग्रेस विधायक उत्तरी जांगड़े अपने भाषण के दौरान मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उकसाते हुए कहा था कि, यहां से हम सब को कलेक्टर कार्यालय जाना है और कलेक्टर कार्यालय के बाहर से नहीं आना है बल्कि अंदर जाकर तोडफ़ोड़ करना है और बलौदबाजार की घटना को आप सब जानते ही होए बलौदाबाजार जैसी स्थिति निर्मित करनी है।

सीबीआई के क्षेत्राधिकार को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

» कहा ऐसे मामलों में राज्य सरकार की अनुमति

बिलासपुर,20 दिसंबर 2024(ए)। राज्य में जब कांग्रेस की सरकार थी तब राज्य शासन ने सीबीआई को छत्तीसगढ़ में बैन कर दिया था। बगैर अनुमति जांच के लिए एंट्री पर पाबंदी लगा दी गई थी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही सीजीपीएससी घोटाले की सीबीआई जांच की राज्य सरकार ने सिफारिश की और पांच साल बाद सीबीआई की प्रदेश में एंट्री हो पाई। साजिश और धोखाधड़ी के एक मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सीबीआई को कहा कि मामले की जांच करनी है तो राज्य सरकार से अनुमति की जरुरत नहीं है। पढ़िए हाई कोर्ट का वह फैसला जिसमें घटित अपराध, क्षेत्राधिकारी और शासन की अनुमति के संबंध में क्या

कहा है। आपराधिक घटना,रची गई साजिश की पड़ताल के लिए सीबीआई जांच को लेकर दायर पुनरीक्षण याचिका को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में अपराध की प्रकृति, स्थान और क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि छत्तीसगढ़ से बाहर आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए साजिशें रची गई, उसके बाद यहां आकर अपराध को अंजाम दिया गया है तो ऐसी स्थिति में सीबीआई जांच के लिए उस राज्य की सरकार से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है जहां अपराध को अंजाम दिया गया है। पूरा मामला साढ़े 24 करोड़ के फ्राड से जुड़ा हुआ है। साजिशकर्ताओं ने दो राज्यों में बैठकर फ्राड के लिए साजिशें रची। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और दिल्ली में ब्लू प्रिंट तैयार किया और छत्तीसगढ़ में आकर इसे अमलीजामा पहनाया है। रायपुर स्थित हुडको के तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख सुरेंद्र सिंघई पर आरोप लगाया गया था कि पद का दुरुपोग करते हुए उन्होंने उद्योगपति सुनील मल के साथ आपराधिक साजिशें रची। सुनील, इस्पात एंड पावर लिमिटेड कोलकाता के संचालक हैं और उनका संयंत्र ग्राम-चेराईपानी रायगढ़ में है। दोनों ने मिलकर स्वयं को लाभ पहुंचाने के लिए 24.50 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की।फ्राड के इस मामले में सीबीआई की विशेष कोर्ट द्वारा आरोपी को रिहा करने से इंकार करने वाले आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में सुनवाई हुई।

खरसिया अग्निकांड का खुलासा,तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, 20 दिसंबर 2024 (ए)। खरसिया के शुभम लॉज के बाहर खड़ी दो वाहनों को आग लगाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुरानी रंजिश के कारण अनिश अग्रवाल (24 वर्ष) ने अपने दो साथियों अमृत ठाकुर (20 वर्ष) और आकाश सूर्यवंशी (24 वर्ष) के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों को उनके गृह नगरों से हिरासत में लेकर लाया गया है।
प्रार्थी केशव छपारिया ने 16 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके लॉज के नीचे खड़ी हीरो मेस्ट्रो स्कूटी और लॉज में ठहरे गुरदीप सिंह की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को किसी ने रात करीब 12:20 बजे आग के हवाले कर दिया। इस आगजनी से दोनों वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए, जिनकी कुल कीमत ₹1,15,000 थी, रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों पर अप.क्र. 768/24 धारा 324 (5), बीएनएस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसपी दिव्यांग कुमार पटेल ने घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी खरसिया प्रभात कुमार पटेल को अज्ञात आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का निर्देश दिया। एसडीओपी ने थाना प्रभारी कुमार गौरव साहू और उप निरीक्षक संजय नाग के नेतृत्व में एक टीम बनाई। पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और साइबर सेल की मदद से संदिग्धों के मोबाइल लोकेशन का विश्लेषण किया। इस जांच में घटना के समय मुख्य आरोपी अनिश अग्रवाल का लोकेशन खरसिया के आसपास पाया गया। पुलिस की टीम ने उसे उसके निवास स्थान बेमेतरा से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपने साथियों अमृत ठाकुर और आकाश सूर्यवंशी का नाम उजागर किया, जिन्हें भी उनके गृह ग्राम में पुलिस टीम ने दबिश देकर पकड़ा । अनिश अग्रवाल ने पूछताछ में खुलासा किया कि प्रार्थी से रकम और सामान वापस न मिलने की रंजिश में उसने बदले की नीयत से यह साजिश रची। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी के घर के पास स्कूटी में पेट्रोल डालकर आग लगाई, ताकि टंकी फटने से बड़ा नुकसान हो सके।

नारायणपुर में आईईडी ब्लास्ट,2 जवान घायल

नारायणपुर,20 दिसंबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके नारायणपुर से दो जवानों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि, सुबह सर्चिंग के दौरान आईईडी की चपेट में आने से दोनों जवान घायल हुए है। फिलहाल घायल जवानों को जिला अस्पताल लाया जा रहा। अबूझमाड़ के कच्चापाल तोके मार्ग की यह घटना बताई जा रही है।

सुबोध कुमार सिंह बने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव

रायपुर,20 दिसंबर 2024 (ए)। राज्य शासन ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सुबोध कुमार सिंह, भा.प्र.से. (1997) को प्रमुख सचिव, माननीय मुख्यमंत्री के पद पर नियुक्त किया है। श्री सिंह को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने के बाद इस पद पर पदस्थ किया गया है।

बिलासपुर में बदमाश का फार्म हाउस तोड़ा गया,चला बुलडोजर

बिलासपुर, 20 दिसंबर 2024(ए)। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रंजन गर्ग के मस्तूरी हाईवे के पास सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए फार्म हाउस पर आज सुबह से बुलडोजर चलना शुरू हो गया है. जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच कार्रवाई कर रही है. मस्तूरी हाईवे के पास ग्राम पंचायत ढेका के पास एक एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाया गया फार्म हाउस शराब, जुआ जैसे अवैध धंधों का अड्डा बना गया था. कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व और पुलिस टीम कार्रवाई कर रही है. हत्या सहित कई गंभीर अपराधों में आरोपी रंजन गर्ग फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद जेल से बाहर है.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)